# राजभवन उमंग

त्रैमासिक पत्रिका

मुख्य भवन, राजभवन, उत्तर प्रदेश

अंक– 01 राजभवन, उत्तर प्रदेश

अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर 2020

श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर निर्माण कार्य का शुभारम्भ
श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री, भारत सरकार
के कर कमलों द्वारा
विशिष्ट अतिथि
डॉ. मोहनराव भागवत
आनन्दी बेन पटेल
महन्त नृत्य गोपालदास
योगी आदित्यनाथ
की गरिमामयी उपस्थिति में तिथिः भाद्रपद, कृष्णपक्ष, द्वितीया
5 अगस्त, 2020, को अपराह्न 12:40 बजे सम्पन्न हुआ।

# प्रेरणा स्रोत

**श्रीमती आनंदीबेन पटेल**
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश

# परिकल्पना एवं मार्गदर्शन

**श्री महेश कुमार गुप्ता**
अपर मुख्य सचिव, श्री राज्यपाल
उत्तर प्रदेश

## सम्पादक

**राम मनोहर त्रिपाठी**
सहायक निदेशक (सूचना), राजभवन

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के मौके पर राजभवन स्थित मुख्य लॉन में स्थापित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण कर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि देती हुई राज्यपाल।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता के विजेता बच्चों के साथ राज्यपाल।

# सम्पादक की कलम से...

सहृदय, मृदुभाषी, करूणामयी एवं छोटे बड़े सभी को सम्मान प्रदान करने वाली उत्तर प्रदेश की माननीया राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल ने कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त राज्य के विकास के प्रति जो प्रतिबद्धता और सक्रियता प्रदर्शित की, निश्चित ही यह प्रतिबद्धता उत्तर प्रदेश के प्रति विशेष लगाव का परिचायक है।

हमेशा से गरीबों, असहायों एवं निराश्रितों की मद्दगार तथा सादा जीवन उच्च विचार की पोषक मा0राज्यपाल जी द्वारा उत्तर प्रदेश को अग्रणी प्रदेश बनाने में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार को हर स्तर पर हर सम्भव सहयोग प्रदान किया जा रहा है। उनका मानना है कि देश में सबसे अधिक जनसंख्या वाला प्रदेश होने के कारण यहां सभी को मिल–जुलकर विकास कार्यों में योगदान करने की आवश्यकता है।

कुशल राजनीतिज्ञ एवं प्रशासकीय निर्णय लेने में दक्ष तथा महिला सशक्तीकरण की प्रबल समर्थक मा0 राज्यपाल ने जनपदों का भ्रमण करके बालिकाओं और महिलाओं में जागरूकता कार्यक्रम को गति देकर उन्हें निरन्तर पथ प्रशस्त होने तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने टी0बी0, कुपोषण तथा बाल विकास के कार्यक्रमों को प्रोत्साहित कर साफ कर दिया कि यदि महिलाएं स्वस्थ होंगी तो बच्चे भी हृष्ट–पुष्ट होंगे और बड़े होकर राष्ट्र निर्माण में अपनी रचनात्मक शक्ति का उपयोग करने में भागीदार बन सकेंगे ।

माननीया राज्यपाल ने राजभवन परिसर में निवास करने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों तथा उनके परिवारों को खेलकूद, स्वास्थ्य शिक्षा सहित विभिन्न सामाजिक कार्यों से जोड़कर उनमें नई उमंग और नये उत्साह का संचार किया। उन्होंने कुलाधिपति के रूप में विश्वविद्यालयों को शोध, शिक्षा एवं नवाचार के साथ जोड़ने को प्रमुखता दी। सामाजिक, स्वैच्छिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधयों में योगदान करने वाले महानुभावों को राजभवन में आमन्त्रित कर उन्हें सम्मानित किया।

माननीया राज्यपाल जी के विभिन्न कार्यक्रमों के संकलन पर आधारित पुस्तिका में राम मनोहर त्रिपाठी, सहायक निदेशक तथा सूचना विभाग के जिन कर्मचारियों ने अथक परिश्रम और लगन से पुस्तिका को मूर्तरूप देने में सहयोग प्रदान किया, उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ।

**महेश कुमार गुप्ता**
प्रधान सम्पादक

# अनुक्रमणिका


| क्र.सं. | विषय | पेज न. |
|---|---|---|
| 1. | 'जनता–मित्र' की छवि बनाये पुलिस | 01 |
| 2. | उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की बैठक | 03 |
| 3. | कोरोना से ठीक हुए लोग प्लाज्मा दान करें | 04 |
| 4. | गांधी जी के 'ग्रामीण विकास' के सपने को पूरा कर रही है मोदी सरकार | 06 |
| 5. | शिक्षक एवं शिल्पकार | 08 |
| 6. | नई शिक्षा नीति और संस्कृत भाषा | 10 |
| 7. | कुलपतियों की नियुक्ति | 11 |
| 8. | देश के उज्ज्वल भविष्य को साकार करेगी नयी शिक्षा नीति (राष्ट्रपति जी, प्रधानमंत्री जी के साथ राज्यपालों का सम्मेलन) | 12 |
| 9. | कौशल विकास पर केन्द्रित हो उच्च शिक्षा | 14 |
| 10. | प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर श्रमिकों को उपहार | 16 |
| 11. | हर क्षेत्र में सफल हो सकती हैं महिलाएं | 18 |
| 12. | पोषण अभियान का लाभ सभी लाभार्थियों तक पहुंचे | 20 |
| 13. | जैविक खेती पर ज्यादा ध्यान दिया जाये | 22 |
| 14. | बच्चों मे देशप्रेम भरता है भारत स्काउट्स एवं गाइड्स | 24 |
| 15. | देश को ताकतवर बनायेगी नयी शिक्षा नीति | 25 |
| 16. | विश्वविद्यालयों में महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना | 27 |
| 17. | नयी शिक्षा नीति से महिलाओं को सर्वाधिक लाभ | 28 |
| 18. | 'कलाम किचन' एवं 'कलाम डिजिटल स्कूल' का आनलाइन शुभारम्भ | 30 |
| 19. | वरदान साबित हो सकता है मुक्त विश्वविद्यालय | 32 |
| 20. | सेफ सिटी परियोजना का शुभारम्भ | 34 |
| 21. | 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान में सहयोग करें चिकित्सा संस्थान | 37 |
| 22. | बेटियों के लिए जरूरी है जूडो का प्रशिक्षण | 39 |
| 23. | बहुत विशाल था सरदार पटेल का व्यक्त्वि | 42 |
| 24. | कुटीर उद्योगों को दी जा रही है भरपूर सहायता | 44 |
| 25. | सरदार पटेल के विचार आज भी प्रेरणादायी | 46 |
| 26. | छायाचित्रों में राजभवन की गतिविधियां | 48 |
| 27. | समाचार पत्रों में राजभवन की गतिविधियां | 61 |

# 'जनता-मित्र' की छवि बनाये पुलिस

14 अगस्त, 2020

राजभवन में भारतीय पुलिस सेवा के 72वें आर0आर0 (2018-19 बैच) के 14 परिवीक्षाधीन अधिकारी राज्यपाल से भेंट करते हुए।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से राजभवन में भारतीय पुलिस सेवा के 72वें आर0आर0 (2018—19 बैच) के 14 परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने भेंट किया।

राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि महिलाओं एवं बच्चियों में असुरक्षा की भावना को खत्म करने का माहौल बनायें, जिससे कि बेटियां बेधड़क होकर कहीं आ जा सकें और माता—पिता को चिन्ता भी न रहे। व्यावहारिक ज्ञान व प्रशिक्षण आपको फील्ड में ही मिलेगा। उन्होंने कहा कि आप लोग गांव के बच्चों से मिलें और उन्हें मित्र बनायें। ये बच्चे गांव में होने वाली हर घटनाओं के बारे में आपको सूचित करते रहेंगे और आपके बड़े काम आयेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस की छवि जनता में मित्र की तरह होनी चाहिए। आप सदैव जनता के प्रति संवेदनशील रहें।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अधिकारियों से कहा कि टी0बी0 ग्रस्त बच्चों को स्वयं गोद लें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। बच्चा जब ठीक होगा तो आपको भी संतुष्टि मिलेगी।

इस संबंध में जिलाधिकारी से समन्वय कर स्वयं सेवी संस्थाओं का सहयोग भी ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी अपने क्षेत्र में बाल विवाह कतई न होने दें, क्योंकि यह एक सामाजिक बुराई है। एक सभ्य समाज के लिए इसका सभी को विरोध करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को महसूस करते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शिता से कार्य करें।

राज्यपाल से भेंट करने वाले प्रशिक्षु अधिकारियों में श्री अभिषेक भारती, श्री अबिजीत आर0 शंकर, श्री कृष्ण कुमार, श्री मनीष कुमार शांडिल्य, श्री मृगांक शेखर पाठक, श्री अजय जैन, श्री सागर जैन, श्री आकाश पटेल, श्री सत्य नरायन प्रजापत, श्री विवेक चन्द्र यादव, सुश्री प्रीति यादव, श्री सारावनान टी0, श्री शशांक सिंह तथा श्री अनिरूद्ध कुमार शामिल थे।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता, पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) श्री सुजान वीर सिंह तथा अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) श्री एस0एन0 तरडे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

**"प्रादेशिक स्तर पर जन कल्याणकारी कार्यों के साथ ही मैंने राजभवन परिवार एवं बच्चों की जीवन चर्या को स्वस्थ, सकारात्मक और रचनात्मक बनाने की दिशा में भी प्रयोग किया। मुझे प्रसन्नता है कि राजभवन परिवार के लिए सर्व सुविधायुक्त आवास उपलब्ध कराने, उनकी संतानों के लिए शैक्षणिक और रचनात्मक गतिविधियां संचालित करने की मेरी पहल, उनके दमकते चेहरों पर दिखायी देने लगी है। शिक्षा जीवन का मूल आधार होती है और स्वस्थ जीवन की प्राथमिक जरूरत स्वच्छता है। राजभवन परिसर में स्वच्छता की अलख और चेतना जगाने, स्वच्छता को आदत बनाने के लिए सहयोग में स्वच्छता का श्रमदान अभियान, मैंने कार्यकाल के प्रारम्भ में ही शुरू कर दिया। जिसका सकारात्मक परिणाम राजभवन परिसर में दिखने भी लगा है।"**

**–आनंदीबेन पटेल**

# उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की बैठक

14 अगस्त, 2020

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज की शाषी निकाय की राजभवन में ऑनलाइन विशेष बैठक की अध्यक्षता करती हुई राज्यपाल।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में राजभवन में उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज की शाषी निकाय की ऑनलाइन विशेष बैठक हुई, जिसमें संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों के लिए जो नये माडल नियम तैयार किए हैं, उसे उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र में भी लागू करने के लिए राज्यपाल ने अनुमोदन प्रदान किया। यह विशेष बैठक भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों के लिए तैयार किये गये माडल नियमों को लागू करने के संबंध में आहूत की गई थी।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के सुझाव को मानते हुए संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नये माडल नियम के तहत संस्था के हित के मद्देनजर गवर्निंग बॉडी में सदस्य के रूप में नामित केन्द्रीय संस्कृति मंत्री एवं संबंधित राज्यों के संस्कृति मंत्री को हटा दिया गया है। नये माडल नियम में लोक कला एवं जन जातीय संस्कृति को संरक्षित करने पर विशेष बल दिया गया है।

राज्यपाल ने कहा कि कार्यक्रम समिति जो भी कार्यक्रम बनाये उसे संबंधित राज्यों से परामर्श लेकर ही बनाये एवं उसी के अनुसार निर्धारित समय पर कार्यक्रम कराये तथा सांस्कृतिक केन्द्र विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर कार्यक्रम तैयार करें। राज्यपाल ने निर्देश दिये कि कलाकारों के पारिश्रमिक का भुगतान कार्यक्रम समाप्त होने के उपरान्त तत्काल सुनिश्चित करायें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा जो अनुदान मिलता है, उसे सही मद में ही खर्च करें।

इस अवसर पर बिहार के कला एवं संस्कृति मंत्री श्री प्रमोद कुमार, उत्तराखण्ड के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री सतपाल महाराज, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की संयुक्त सचिव सुश्री अमिता प्रसाद, हरियाणा की अपर मुख्य सचिव सुश्री धीरा खण्डेलवाल, उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव संस्कृति श्री जितेन्द्र कुमार के अलावा अन्य संबंधित राज्यों के प्रतिनिधि भी ऑनलाइन जुड़े हुए थे।

इससे पहले उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज के निदेशक श्री इन्द्रजीत ग्रोवर ने संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी नये माडल नियम पर विस्तृत प्रकाश डाला।

# कोरोना से ठीक हुए लोग प्लाज्मा दान करें

15 अगस्त, 2020

देश और मानव सेवा का यह महत्वपूर्ण अवसर है। अतः कोरोना संक्रमण से ठीक हुए लोग अधिक से अधिक प्लाज्मा दान करें। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किंग जार्ज व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि अगर किसी संक्रमित व्यक्ति की जान बचेगी, तो उसके साथ ही उसका पूरा परिवार दुआ ही देगा। राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्लाज्मा थेरेपी में मरीज के

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग द्वारा स्थापित उत्तर प्रदेश का प्रथम 'प्लाज्मा बैंक' का राजभवन से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन करने के पश्चात् सम्बोधित करती हुई राज्यपाल।

चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग द्वारा स्थापित उत्तर प्रदेश का प्रथम 'प्लाज्मा बैंक' का राजभवन से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन अवसर पर शरीर में एंटीबॉडीज पहुंचाकर उसे वायरस से लड़ने के लिए बेहतर बनाया जाता है। जब किसी व्यक्ति को कोरोना वायरस का संक्रमण होता है तो उसका शरीर संक्रमण से लड़ने के लिए उसके खून में

मौजूद प्लाज्मा में एंटीबॉडी का निर्माण करने लगता है तथा प्लाज्मा में मौजूद यही एंटीबॉडी 'कोरोना वायरस' के संक्रमण को समाप्त करने में मदद करती है।

राज्यपाल ने कहा कि कोविड–19 अत्यंत सूक्ष्म वायरस जनित एक महामारी है। इसने पूरे विश्व को काफी कुछ सीखने एवं सोचने पर मजबूर कर दिया है। अगर भारत के परिप्रेक्ष्य में बात करें तो कोरोना संक्रमण के चलते देश के चिकित्सालयों में वेन्टीलेटर्स की संख्या को बढ़ाया गया है। नवाचार के माध्यम से नये बनने वाले वेन्टीलेटर्स पहले की अपेक्षा कम मूल्य में उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में उपयोग हेतु पी0पी0ई0 किट का पहले हम आयात करते थे तथा सीमित मात्रा में मास्क एवं गलव्स का उत्पादन देश में होता था, परन्तु कोरोना के प्रभाव के चलते आज देश में प्रतिदिन बड़ी संख्या में पी0पी0ई0 किट, मास्क का उत्पादन हो रहा है। इस क्षेत्र में हम आत्मनिर्भर भी बने हैं।

राज्यपाल ने कहा कि 'कोरोना वायरस' से संक्रमित मरीज के इलाज हेतु अभी तक न कोई सटीक दवा है एवं न ही इसके रोकथाम हेतु कोई वैक्सीन ही बन पायी है। ऐसी स्थिति में किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ में 'प्लाज्मा बैंक' की स्थापना 'कोरोना वायरस' महामारी से लड़ने में अहम रोल अदा करेगा एवं इससे प्रदेश के कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के इलाज में 'प्लाज्मा बैंक' मील का पत्थर साबित हो सकता है।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति लेफ्टिनेंट जनरल डॉ0 विपिन पुरी, विभागाध्यक्ष, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग प्रो0 तुलिका चन्द्रा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

**"सरकार जरूरतमंद लोगों की सहायता करती है । लोगों तक इस सहायता का पहुँचना जरूरी है । कभी किसी स्थान पर तंत्र के द्वारा लापरवाही की जाती है तो सरकार द्वारा की गई सहायता योग्य स्थान पर नहीं पहुँचती । समाज के प्रति सरकारी कर्मचारियों का कर्तव्य है। वे जब अपने फर्ज से चूकते हैं तो समाज को कितना नुकसान होता है, इस बात को प्रत्येक कर्मचारी को समझना आवश्यक है। समाज के प्रति संवेदनशील बनकर काम करना जरूरी है।"**

**–आनंदीबेन पटेल**

# गांधी जी के 'ग्रामीण विकास' के सपने को पूरा कर रही है मोदी सरकार

04 सितम्बर, 2020

स्वच्छता, स्वदेशी और स्वावलंबन गांधी जी द्वारा बताये गये ऐसे मंत्र हैं, जो कोविड–19 जैसी महामारी और उससे उत्पन्न हुई परिस्थितियों के समाधान में सहायक हो सकते हैं। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के पी0आई0बी0 द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती समारोह के अवसर पर आयोजित वेबिनार को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि गांधी जी के अर्थ दर्शन के अनुसार हमें चुनौती, शक्ति, परिस्थिति और संसाधन को मिलाकर अवसर में विकसित करना है।

श्रीमती पटेल ने कहा कि महात्मा गाँधी वास्तव में भारत के लिये एक वरदान थे। गांधी जी आज विश्व चिन्तन का विषय हैं, चाहे वह रोजगार हो या विश्व–शांति की स्थापना हो। उन्होंने कहा कि गांधी जी जिन आदर्शों का पालन करते थे, वह हमारी सामूहिक जीवंत विरासत का हिस्सा है। इस विरासत में 'एक राष्ट्र' होने का विचार समाहित है। गांधी जी कुटीर और ग्रामीण उद्योग को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण मानते थे। इसीलिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए 'वोकल फॉर लोकल' पर जोर दिया है।

> **"गांधी जी के आदर्शों से बच्चों को जिन्दगी में बहुत कुछ अच्छा करने की प्रेरणा मिलेगी।"**

राज्यपाल ने कहा कि भारत में संसाधन बहुत हैं जिनसे विभिन्न प्रकार के उपयोगी सामान विश्व स्तर के बनाये जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश में असंख्य कुशल हाथ हैं, जिनका उपयोग करके प्राकृतिक संपदाओं से बहुत कुछ बनाया जा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि महात्मा गांधी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। गांधी जी की पूरी जीवन–यात्रा प्रयोगों की अविरल धारा के समान है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हमारे युवाओं और विद्यार्थियों के लिये गांधी जी की कही हुई बातों को जानने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गांधी जी के आदर्शों से बच्चों को जिन्दगी में बहुत कुछ अच्छा करने की प्रेरणा मिलेगी।

राज्यपाल ने कहा है कि गांधी जी ने अपने विचारों के माध्यम से राजनैतिक, दार्शनिक, सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन किए। उन्होंने दबे–कुचले दलित वर्ग के लोगों के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई एवं छुआ–छूत का विरोध किया तथा उन्हें समाज की मुख्य धारा में शामिल किया। गांधी जी ने जनसामान्य को साफ–सफाई की महत्ता बताने के साथ ही स्वच्छता के लिये प्रेरित भी किया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भी इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए गाँधी जी को उनकी 150वीं जयन्ती पर 'स्वच्छ भारत अभियान' को एक जन–आन्दोलन का रूप दिया।

राज्यपाल ने कहा कि महात्मा गांधी ने ग्राम स्वराज्य की कल्पना की थी। वे चाहते थे कि हर

गांव एक आत्मनिर्भर इकाई बने। समाज के अन्तिम आदमी तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास के गांधी जी के इसी सपने को मोदी सरकार पूरा कर रही है। गांधी जी शिक्षा को रोजगार के साथ जोड़कर देखते थे। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो लोगों को रोजगार दे सके। सरकार का कौशल विकास मिशन इसी दिशा में एक मजबूत कदम है।

**"गांधी जी के अर्थ दर्शन के अनुसार हमें चुनौती, शक्ति, परिस्थिति और संसाधन को मिलाकर अवसर में विकसित करना है।"**

इस अवसर पर विधायक श्री सुरेश श्रीवास्तव, पी0आई0बी0 लखनऊ के क्षेत्रीय ए0डी0जी0 श्री आर0पी0 सरोज, छपरा विश्वविद्यलय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर हरिकेश सिंह, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के प्रोफेसर राम प्रकाश, बाबा भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रोफेसर महेन्द्र कुमार पाधी, लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव एवं पी0आई0बी0 के उप निदेशक डॉ0 श्रीकांत श्रीवास्तव आनलाइन उपस्थित थे।

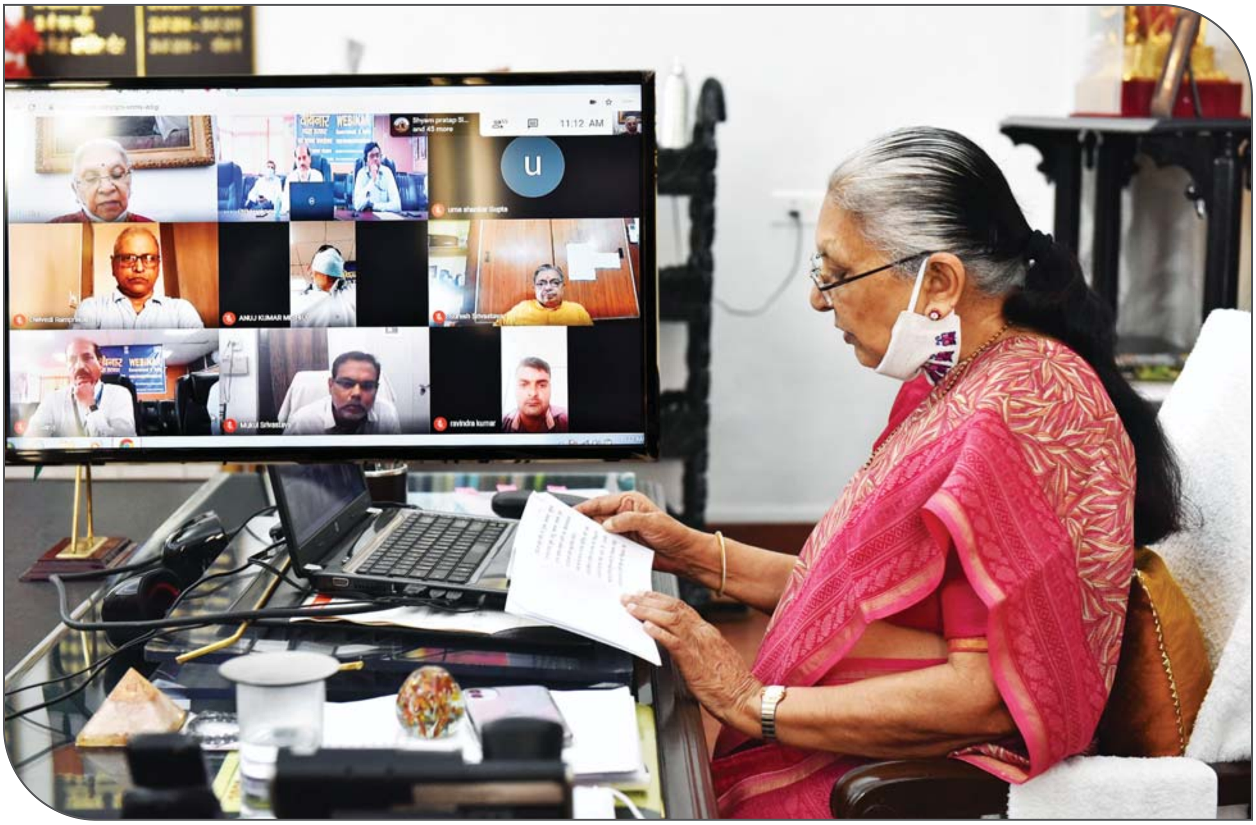

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के पी0आई0बी0 द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती समारोह के अवसर पर आयोजित वेबिनार को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल।

# शिक्षक एवं शिल्पकार

**06 सितम्बर, 2020**

शिक्षक का दर्जा समाज में सदैव से ही पूजनीय रहा है। शिक्षक एक शिल्पकार के रूप में अपने विद्यार्थी का जीवन गढ़ता है। शिक्षक ही समाज की आधारशिला है। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने उद्‌भव सोशल वेलफेयर सोसाइटी, बरेली द्वारा आयोजित 'कोविड–19 महामारी एवं शिक्षक की भूमिका' विषयक वेबिनार को राजभवन से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्बोधित करते हुए व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक अपने जीवन के अन्त तक मार्गदर्शक की भूमिका अदा करता है और समाज को सही राह दिखाता रहता है। एक गुरू और शिक्षक अपने विद्यार्थियों को हर परिस्थिति और समस्याओं से निपटने की राह भी दिखाता है और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देता है।

राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज के युग में शिक्षक की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। एक आदर्श शिक्षक के सभी व्यवहारों का असर उसके शिष्य पर पड़ता है। इसलिए शिक्षक को चाहिए कि वह अपने विषय की पाठ्‌यवस्तु को इतना सहज, सरल, सुगम, सुरूचिपूर्ण एवं आनन्ददायक बनाकर पढ़ाए, ताकि बच्चों को यह पता भी न चले कि उसने अपना पाठ कब याद कर लिया। उन्होंने कहा कि अध्यापक बच्चों में देशप्रेम, अनुशासन और वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को विकसित करें।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि कोविड–19 के कारण शिक्षण की क्रमबद्धता बाधित होने से शिक्षकों सहित देश के भावी कर्णधारों के समक्ष भविष्य का प्रश्न अत्यंत स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि इसीलिए शिक्षण प्रक्रिया में, ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था को लाया गया है। इसने शिक्षाशास्त्र के नए प्रारूपों को गति दी है। वास्तव में शिक्षक ही शिक्षा की वह धुरी है जो समस्त सुधारों और दूरगामी लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर मूर्त रूप देता है।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के अपने लाभ हैं। शिक्षकों की मदद करने और ई–लर्निंग को प्रोत्साहन देने के लिए शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार के लिये निरंतर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि ई–पाठशाला विविध ई–पुस्तक आदि ऐसी ही शिक्षण सामग्री की पहुंच दूरस्थ अंचलों के छात्रों तक बनानी होगी।

राज्यपाल ने शिक्षकों, शिक्षार्थियों, चिंतकों, शोधकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे इस बात पर विचार करें कि हमारी जनता, अपने कौशल एवं मूल क्षमताओं का किस प्रकार सर्वश्रेष्ठ उपयोग करे, जिससे भारत को विश्व गुरू के रूप में प्रतिष्ठित किया जाये।

इस अवसर पर केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संतोष गंगवार, शिक्षा संस्कृति, उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव श्री अतुल भाई कोठारी, राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली के क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 विजय कुमार, दैनिक जागरण के वरिष्ठ समाचार सम्पादक

श्री अवधेश माहेश्वरी, शहीद राजगुरू कालेज की प्राचार्या डॉ0 पायल मागो, उद्भव सोशल वेलफेयर सोसाइटी के उपाध्यक्ष डॉ0 रणविजय सिंह, उद्भव सोशल वेलफेयर सोसाइटी के सचिव डॉ0 राजीव यादव भी आनलाइन जुड़े हुए थे।

उद्भव सोशल वेलफेयर सोसाइटी, बरेली द्वारा आयोजित 'कोविड-19 महामारी एवं शिक्षक की भूमिका' विषयक वेबिनार को राजभवन से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्बोधित करते हुए राज्यपाल।

"जगत एक ही प्रश्न पूछता है,
'तुम्हारे पास क्या है ?'...
जगत्पति एक ही प्रश्न पूछता है,
तुम्हारे साथ क्या है ? "

–आनंदीबेन पटेल

# नई शिक्षा नीति और संस्कृत भाषा

06 सितम्बर, 2020

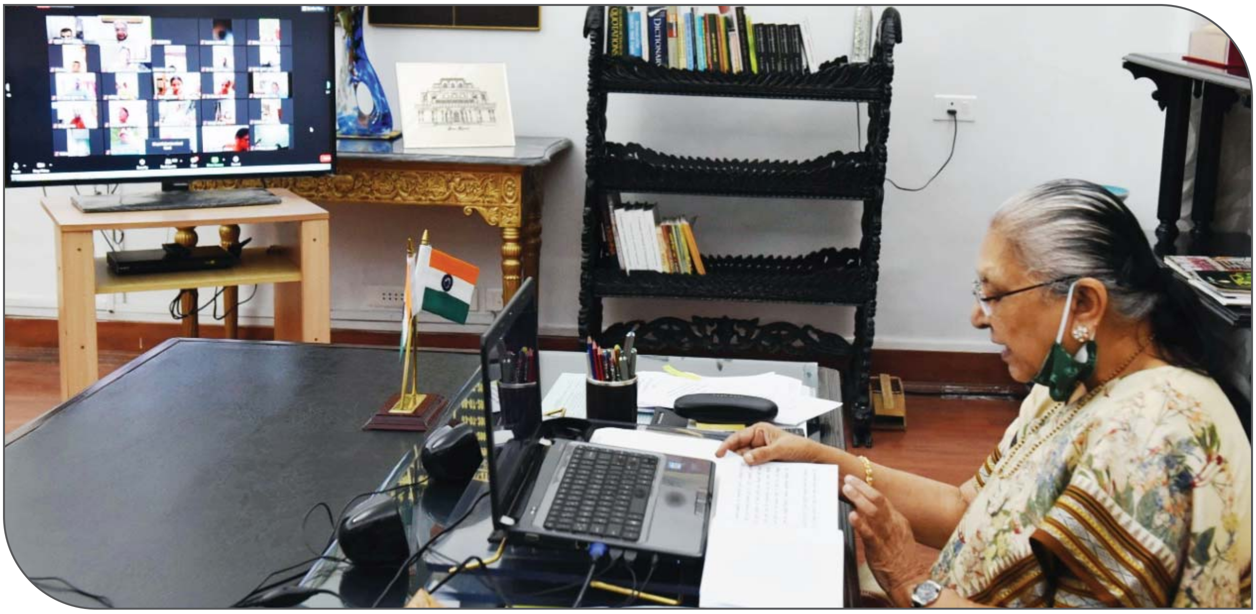

**उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 संस्कृत भाषा के सन्दर्भ में परिचर्चा' विषय पर वेबिनार को राजभवन से वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से सम्बोधित करती हुई राज्यपाल।**

संस्कृत वस्तुतः हमारी संस्कृति का मेरूदण्ड है, जिसने सहस्त्रों वर्षों से हमारी अनूठी भारतीय संस्कृति को न केवल सुरक्षित रखा है, बल्कि उसका संवर्धन तथा पोषण भी किया है। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 संस्कृत भाषा के सन्दर्भ में परिचर्चा' विषयक वेबिनार को राजभवन से वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से सम्बोधित करते हुए व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संस्कृत अपने विशाल साहित्य, लोक हित की भावना तथा उपसर्गों के द्वारा नये–नये शब्दों के निर्माण क्षमता के कारण आज भी अजर–अमर है। यह भाषा हमारी वैचारिक परम्परा, जीवन दर्शन, मूल्यों व सूक्ष्म चिन्तन की वाहिनी है।

राज्यपाल ने कहा कि संस्कृत भाषा को नई शिक्षा नीति में विशेष स्थान प्राप्त हुआ है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत संस्कृत की प्रासंगिकता को नई दिशा मिल सकती है। उन्होंने कहा कि स्कूली शिक्षा में अब त्रिभाषा सूत्र चलेगा। इसमें संस्कृत के साथ तीन अन्य भारतीय भाषाओं का विकल्प होगा। इससे आज की युवा पीढ़ी संस्कृत भाषा के अध्ययन–अध्यापन से लाभान्वित होगी।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि नई शिक्षा नीति–2020 के सम्पूर्ण क्रियान्वयन एवं सफलता का उत्तरदायित्व शिक्षकों एवं ज्ञानसाधकों पर है। उन्होंने कहा कि इस नीति में सराहने लायक ढेर सारी बातें हैं, जिनका देश को 21वीं सदी की चुनौतियों के लिहाज से कौशल संपन्न बनाने पर केंद्रित है।

शिक्षकगणों का आह्वान करते हुए राज्यपाल ने कहा कि वे खुली विचारधारा के साथ इसमें विद्यार्थियों का सहयोग करेंगे तो हम एक नई कार्य संस्कृति बनाने में अवश्य सफल होंगे। वैश्विक मांग के अनुसार युवाओं को कौशल सम्पन्न और दक्ष बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में एक ही व्यवसाय में जीवन भर टिका रहना अब सब के लिए संभव नहीं है। नीति का यह पहलू युवाओं को निरंतर कौशल उन्नयन और परिवर्तन के लिए सक्षम बनाएगी।

राज्यपाल ने कहा कि नीतियों के क्रियान्वयन के लिए शिक्षित और कुशल मानव–शक्ति की आवश्यकता होती है, जिन्हें शिक्षा व्यवस्था तैयार करती है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति, आर्थिक संपन्नता और सुरक्षा का आधार उसकी शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता, गतिशीलता और हर प्रकार के परिवर्तन के सार तत्व को अपने में समाहित कर सकने की क्षमता पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि महत्वाकांक्षी नई शिक्षा नीति–2020 का सफल क्रियान्वयन अध्यापकों की कार्य कुशलता एवं योग्यता पर निर्भर करेगा, क्योंकि अध्यापक ही कक्षा में बैठे विद्यार्थियों को तराशने का काम करते हैं।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश भाषा विभाग के प्रमुख सचिव श्री जितेन्द्र कुमार, उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर गिरीश चन्द्र त्रिपाठी, संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठानम् के न्यासी सचिव पद्मश्री चमूकृष्णशास्त्री, संस्कृत भारती के प्रमुख डॉ0 संजीव राय एवं अन्य गणमान्य लोग भी आनलाइन जुड़े हुए थे

❑❑

## राज्यपाल द्वारा नियुक्त किये गये कुलपतियों का विवरण

| क्र0 | विश्वविद्यालय का नाम | नियुक्त कुलपति | नियुक्ति आदेश की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1 | वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर | प्रो0 निर्मला एस0 मौर्या | 14 अगस्त, 2020 |
| 2 | महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली | प्रो0 कृष्णपाल सिंह | 15 अगस्त, 2020 |
| 3 | दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर | प्रो0 राजेश सिंह | 2 सितम्बर, 2020 |

# देश के उज्ज्वल भविष्य को साकार करेगी नयी शिक्षा नीति (राष्ट्रपति जी, प्रधानमंत्री जी के साथ राज्यपालों का सम्मेलन)

07 सितम्बर, 2020

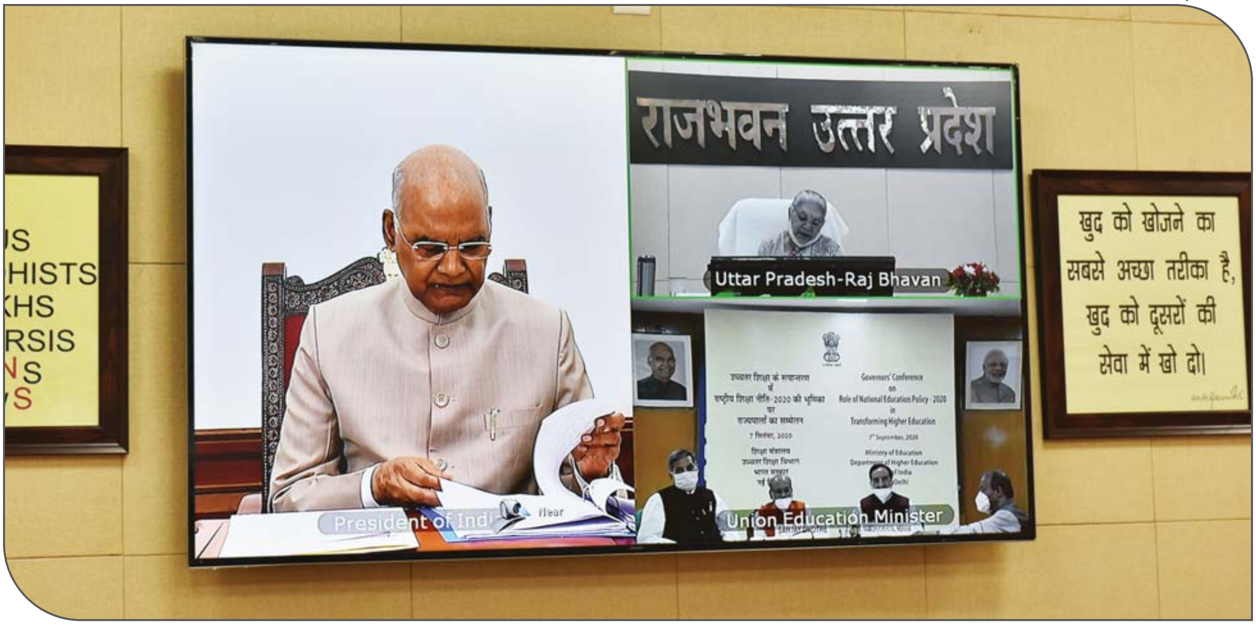


उच्चतर शिक्षा के रूपांतरण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भूमिका पर राज्यपालों के सम्मेलन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल अपने विचार प्रस्तुत करते हुए।

उच्चतर शिक्षा के रूपांतरण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की भूमिका पर राज्यपालों के सम्मेलन में राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' द्वारा प्रदेश के राज्यपालों, उप राज्यपालों एवं विश्वविद्यालय के कुलपतियों के साथ की गयी वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि दोनों राज्यों में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए गम्भीरता से मंथन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों प्रदेशों में गठित टास्क फोर्स निकट भविष्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी, जिस पर सम्यक् विचार–विमर्श के उपरान्त इसे लागू किए जाने की प्रभावी कार्यवाही की जायेगी।

राज्यपाल ने कहा कि किसी भी समाज और राष्ट्र का विकास और भविष्य उसकी उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था, शिक्षा प्रणाली एवं गुणवत्ता पर निर्भर करता है। देश के उज्ज्वल भविष्य के संजोये गये सपनों को साकार करने के उद्देश्य से गहन विचार–विमर्श के बाद नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

> **"किसी भी समाज और राष्ट्र का विकास और भविष्य उसकी उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था, शिक्षा प्रणाली एवं गुणवत्ता पर निर्भर करता है।"**

के रूप में शिक्षा के नवीन रूप का आविर्भाव हुआ है। उन्होंने कहा कि नयी शिक्षा नीति में बुनियादी शिक्षा से लेकर स्कूल–कालेजों तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि जहाँ इसमें बालिकाओं एवं दिव्यांगों की शिक्षा के मद्देनजर सकारात्मक निर्णय लिये गये हैं, वहीं सामाजिक समस्याओं के निराकरण एवं शिक्षा के व्यापारीकरण को रोकने के भी प्रयास किये गये हैं। इसके साथ ही देश की प्राचीनतम भाषा संस्कृत की महत्ता को विशेष रूप से रेखांकित किया गया है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में वैश्विक स्तर पर शैक्षणिक गुणवत्ता एवं शोध का भी विशेष ध्यान रखा गया है।

इस अवसर पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री डा0 दिनेश शर्मा, अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्रीमती मोनिका एस0गर्ग तथा छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर की कुलपति प्रो0 नीलिमा गुप्ता आदि ने भी आनलाइन सहभागिता सुनिश्चित की।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संबंध में प्रधानमंत्री जी का उद्बोधन

**“नयी शिक्षा नीति में बुनियादी शिक्षा से लेकर स्कूल-कालेजों तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है”**

# कौशल विकास पर केन्द्रित हो उच्च शिक्षा

15 सितम्बर, 2020

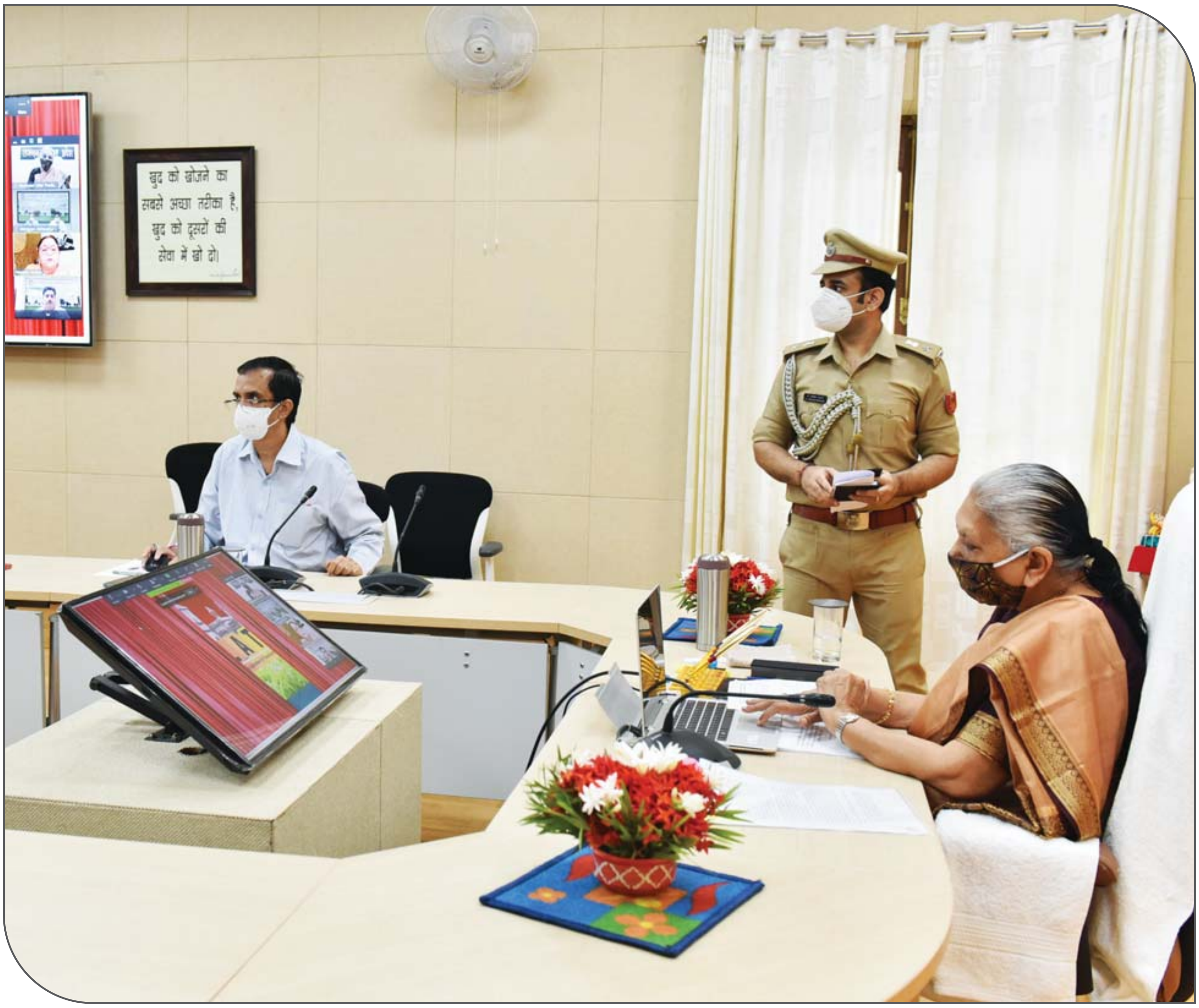


**लखनऊ विश्वविद्यालय के स्लेट, कम्यूनिकेशन, रिक्रूटमेंट, आटोमेशन ऑफ सेलरी सिस्टम, काउंसिलिंग एवं अनलॉक पोर्टल सहित अभियांत्रिकी संकाय में स्थापित कम्प्यूटर सेन्टर का ऑनलाइन उद्घाटन करती हुई राज्यपाल।**

उच्चतर शिक्षा प्रणाली में शिक्षण तथा पठन–पाठन ऐसा होना चाहिए जो विद्यार्थियों में अन्वेषण, समाधान, तार्किकता और रचनात्मकता विकसित करे। उनमें नई जानकारी को आवश्यकतानुसार उपयोग करने की दक्षता और सोच पैदा करे। अतः प्रदेश की सभी उच्च शिक्षण संस्थाएं शिक्षा प्रणाली में बदलाव करते हुए उच्च गुणवत्ता और व्यापक शिक्षा तक सबकी पहुंच

> **"शिक्षा का अर्थ मनुष्य की आन्तरिक शक्तियों को बाहर लाना।"**

सुनिश्चित करें। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 तथा राज्य की उच्च शिक्षण संस्थाओं से अपेक्षाएं' विषयक ई–संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा दी जाए जो चरित्र निर्माण, नैतिकता, करूणा और संवेदनशीलता के साथ उनमें संस्कार के भाव भी विकसित करे। क्योंकि शिक्षा के माध्यम से हम सभी को ऐसे विद्यार्थियों को गढ़ना है जो राष्ट्र–गौरव के साथ विश्व–कल्याण की भावना से ओत–प्रोत हों और वे सही मायने में ग्लोबल सिटिजन बन सकें। इसके साथ ही वे वैश्विक मंचों पर आर्थिक विकास, सामाजिक विकास, समानता और पर्यावरण की देखरेख, वैज्ञानिक उन्नति और सांस्कृतिक संरक्षण के नेतृत्व का समर्थन करें।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के दृष्टिगत उच्च शिक्षा प्रणाली मुख्य रूप से अनुसंधान और उद्योग आधारित कौशल सशक्तिकरण पर केन्द्रित हो, जो विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को अवसर प्रदान करने, उनकी क्षमता के अनुसार प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ रोजगार के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि जब विद्यार्थी कौशल विकास करेंगे तो वे स्वयं का उद्यम भी आसानी से प्रारम्भ कर सकेंगे और उससे औद्योगीकरण को बढ़ावा मिलेगा। युवाओं को स्टार्टअप इंडिया में अवसर मिलेगा और वे अपने कौशल का समुचित उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनने जा रहा है, जिसका पूरे समाज में एक परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ेगा।

**"शिक्षा के माध्यम से हम सभी को ऐसे विद्यार्थियों को गढ़ना है जो राष्ट्र–गौरव के साथ विश्व–कल्याण की भावना से ओत–प्रोत हों और वे सही मायने में ग्लोबल सिटिजन बन सकें।"**

राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में प्रत्येक विद्यार्थी में रचनात्मक सोच, तार्किक निर्णय और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित कर उनमें निहित अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाना है। इसके साथ ही इसमें वंचित समूहों की समान सहभागिता एवं महिलाओं की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस नीति में आनलाइन शिक्षा, डिजिटल शिक्षा, शिक्षा में प्रौद्योगिकी, भारतीय भाषाओं को बढ़ावा, शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण, व्यावसायिक शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा और वित्तपोषण शिक्षा इन सभी पर जोर दिया गया है।

इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 आलोक कुमार राय, रजिस्ट्रार डा0 विनोद कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के शिक्षकगण सहित अन्य लोग भी ऑनलाइन जुड़े हुए थे।

**"उच्च शिक्षण संस्थाएं शिक्षा प्रणाली में बदलाव करते हुए उच्च गुणवत्ता और व्यापक शिक्षा तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करें"**

# प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर श्रमिकों को उपहार

17 सितम्बर, 2020

**प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 71वें जन्म दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित एक समारोह में प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी-2020 में राजभवन उद्यान द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने में उल्लेखनीय योगदान देने वाली श्रमिकों को थाली का सेट भेंट करती हुई राज्यपाल।**

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 71वें जन्म दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित एक समारोह में प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी–2020 में राजभवन उद्यान द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 81 श्रमिकों को प्रोत्साहन स्वरूप 6 थालियों का एक–एक सेट भेंट किया। इस पर कुल 1,21,500 रूपये व्यय धनराशि का वहन राजभवन द्वारा किया गया। इसके अलावा उन्होंने राजभवन उद्यान के 18 श्रमिकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा जीवन बीमा योजना के अन्तर्गत बीमा कराकर उन्हें प्रमाण–पत्र दिया, जिसमें श्रीमती श्यामलली, श्रीमती रामकली, श्रीमती जग्गो, श्रीमती कृष्णावती, श्रीमती प्रभुदेई, श्रीमती मालती, श्रीमती रामकली उर्फ सीमा, श्री धनीराम, श्री राजू, श्री विशन, श्री रमेश कुमार यादव, श्री अर्जुन यादव, श्रीमती लक्ष्मी, श्री रोहित यादव, श्री अरूण कुमार वर्मा, श्री रूपेश, श्री रंजीत सिंह तथा श्री कल्लू राजपूत शामिल हैं। बीमा की कुल धनराशि 4,506

रूपये का भुगतान भी राजभवन द्वारा वहन किया गया है। उन्होंने इन श्रमिकों को आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत हेल्थ गोल्डेन कार्ड की व्यवस्था किए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित भी किया।

राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में श्रमिकों से कहा कि थाली का जो सेट उन्हें दिया गया है, उसका प्रयोग वे स्वयं अपने परिवार के खाने के लिए ही करेंगे न कि किसी अन्य व्यक्ति को उपहार में भेंट करेंगे। उन्होंने कहा कि उद्यान के श्रमिकों द्वारा प्रदर्शनी में अथक परिश्रम किये जाने के परिणामस्वरूप ही विभिन्न श्रेणियों में राजभवन उद्यान को कुल 112 पुरस्कार प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में सर्वाधिक पुरस्कार प्राप्त होने के कारण ही प्रदर्शनी की सर्वश्रेष्ठ ट्राफी राजभवन उद्यान को प्राप्त हुई, जो सभी के लिए गौरव की बात है।

राज्यपाल की प्रेरणा से प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर राजभवन के अधिकारियों द्वारा क्षय रोग से पीड़ित 71 बच्चों को गोद लिया गया तथा प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा पर्यावरण सुधार की दृष्टि से 7100 से अधिक पीपल के वृक्ष रोपित किये गये।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता के अलावा अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 71वें जन्म दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित समारोह को सम्बोधित करती हुई राज्यपाल।

प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी-2020 में राजभवन उद्यान द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पुरस्कृत 81 श्रमिकों के साथ राज्यपाल।

# हर क्षेत्र में सफल हो सकती हैं महिलाएं

**26 सितम्बर, 2020**

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन लखनऊ से दृष्टि स्त्री अध्ययन प्रबोधन केन्द्र, पुणे के तत्वावधान में आयोजित 'भारतीय विचारधारा में महिला चिन्तन' व्याख्यानमाला का वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता रहा है। भारतीय समाज के विकास में अनेक विदुषी नारियों का अविस्मरणीय योगदान रहा है। भारतीय संविधान में भी महिलाओं को समानता का अधिकार दिया गया है।

> "हम सभी को महिलाओं के सम्मान और उनकी सुरक्षा के लिये उचित कदम उठना होगा। महिला सशक्तिकरण देश की प्रगति के लिए आवश्यक है। महिलाएं शक्तिशाली बनती हैं तो वे अपने जीवन से जुड़े हर फैसले स्वयं ले सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें और देश के विकास में अपना योगदान दें।"

राज्यपाल ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा, आंगनबाड़ी एवं उच्च शिक्षा में महिलाओं को विशेष स्थान दिया गया है। इस नीति में भारतीय विचारधारा का समावेश है तथा बालिकाओं की शिक्षा में आने वाली समस्याओं का भी ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं को एहसास दिलाना होगा कि वे कितनी साहसी हैं तथा वे हर क्षेत्र में सफल हो सकती हैं।

महिलाओं और बालिकाओं के प्रति बढ़ रहे अपराध पर चिन्ता व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह सभ्य समाज के लिये उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या और दहेज हत्या जैसे मामले समाज के लिए चिन्तनीय विषय हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को महिलाओं के सम्मान और उनकी सुरक्षा के लिये उचित कदम उठना होगा। महिला सशक्तिकरण देश की प्रगति के लिए आवश्यक है। महिलाएं शक्तिशाली बनती हैं तो वे अपने जीवन से जुड़े हर फैसले स्वयं ले सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें और देश के विकास में अपना योगदान दें।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि आज हमें उन ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों की महिलाओं की ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, जो किन्हीं परिस्थितियों में विकास की मुख्यधारा से वंचित रही हैं और वे अपने अधिकारों के बारे में भी नहीं जानती। उन्होंने कहा कि ऐसी महिलाओं

> "नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा, आंगनबाड़ी एवं उच्च शिक्षा में महिलाओं को विशेष स्थान दिया गया"

को केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा उनके कल्याण के लिये चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी से अवगत कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर सितम्बर माह को 'राष्ट्रीय पोषण माह' के रूप में मनाया जा रहा है।

इस अवसर पर विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद्मश्री सुश्री निवेदिता भिड़े, दृष्टि स्त्री अध्ययन प्रबोधन केन्द्र, पुणे की सचिव सुश्री अंजली देशपाण्डे, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय छात्रा प्रमुख सुश्री ममता यादव सहित अन्य लोग ऑनलाइन जुड़े हुए थे।

**दृष्टि स्त्री अध्ययन प्रबोधन केन्द्र, पुणे के तत्वावधान में आयोजित 'भारतीय विचारधारा में महिला चिन्तन' व्याख्यानमाला को राजभवन, लखनऊ से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सम्बोधित करती हुई राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।**

# पोषण अभियान का लाभ सभी लाभार्थियों तक पहुंचे

**28 सितम्बर, 2020**

**आंगनवाड़ी केन्द्रों को सुचारू रूप से चलाने एवं कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने आदि के संबंध में जिलाधिकारी, वाराणसी द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिए जा रहे प्रस्तुतीकरण के दौरान राज्यपाल।**

केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे पोषण अभियान का लाभ सभी लाभार्थियों तक हर हालत में पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों पर कार्यरत कार्यकत्रियों के रिक्त पदों पर पूरी पारदर्शिता के साथ स्थानीय स्तर पर मेरिट के आधार पर नियुक्ति करें, जिससे न्यायालय को दखल करने का मौका न मिले और नियुक्ति बाधित न होने पाये। ये विचार श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन से जिलाधिकारी, वाराणसी द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों को सुचारू रूप से चलाने एवं कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने आदि के संबंध में दिए जा रहे प्रस्तुतीकरण के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी द्वारा सबका सहयोग लेकर जो कार्य किया जा रहा है, उसका प्रस्तुतीकरण सराहनीय है, लेकिन इसका प्रतिफल आप लोगों को एक साल बाद दिखायी देगा। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की नियुक्ति की प्रक्रिया उनकी सेवानिवृत्ति के 6 माह पहले से शुरू की जानी चाहिए, ताकि केन्द्रों पर रिक्तता की स्थिति उत्पन्न न होने पाये।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जननी सुरक्षा एवं मातृबन्दन योजना के तहत जो पैसा सगर्भा

माताओं के लिए पोषण आहार हेतु दिए जाते हैं, उसका उपयोग सगर्भा माताएं केवल पोषण आहार लेने में ही करें। उन्होंने कहा कि आशा वर्कर्स एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के सहयोग से यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सगर्भा ग्रामीण महिलाओं की डिलवरी सौ प्रतिशत सरकारी अस्पतालों में ही हो न कि दाई के माध्यम से घर में। उन्होंने कहा कि इनके माध्यम से ऐसी माताओं को बच्चों के जन्म देने के पहले से ही जागरूक किया जाए और उन्हें गर्भ संस्कार की अच्छी–अच्छी बातें बतायी जानी चाहिए।

> "जननी सुरक्षा एवं मातृबन्दन योजना के तहत जो पैसा सगर्भा माताओं के लिए पोषण आहार हेतु दिए जाते हैं, उसका उपयोग सगर्भा माताएं केवल पोषण आहार लेने में ही करें।"

राज्यपाल ने जिलाधिकारी को सुझाव दिया कि वे अपने जनपद में इस आशय की बड़ी–बड़ी होर्डिंग महत्वपूर्ण स्थानों पर लगावायें कि 'हम काशी को टी0बी0 मुक्त, कुपोषित मुक्त एवं स्वच्छ काशी बनायेंगे, इसमें सभी सहयोग करें।' ऐसी होर्डिंग को देखकर बहुत से लोग, स्वयंसेवी संस्थायें, व्यापारी आदि स्वेच्छा से सहयोग के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने जिलाधिकारी से यह भी कहा कि लॉकडाउन के दौरान जिन–जिन लोगों ने अथवा एन0जी0ओ0, स्वैच्छिक संस्थाओं और व्यापारियों ने जनता को सहयोग कर उल्लेखनीय कार्य किए हैं, उनकी सूची तैयार करें ताकि उन्हें उनके निःस्वार्थ सहयोग के लिए सम्मानित किया जा सके। उन्होंने कहा कि अगले माह वाराणसी भ्रमण के दौरान वे स्वयं ऐसे कोरोना वारियर्स को सम्मानित करेंगी।

इस अवसर पर ऑनलाइन जुड़े प्रदेश के पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ0 नीलकंठ तिवारी ने राज्यपाल को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिए गये निर्देशों एवं सुझाव का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जायेगा।

इससे पहले वाराणसी के जिलाधिकारी श्री कौशल राज शर्मा ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में संचालित गतिविधियों का ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण राज्यपाल के समझ प्रस्तुत किया। इस मौके पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव, श्री महेश कुमार गुप्ता भी उपस्थित थे।

❐❐

**"सरकार निर्धनों, अपंगों की सहायता करती है। उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने की कोशिश करती है, परंतु प्रशासन तंत्र में किसी भी अधिकारी की कर्तव्यहीनता के कारण कोई अपंग या जरूरतमंद को सहायता न मिले, इसे किस प्रकार सहन किया जाए। सरकारी तंत्र का एक–एक अधिकारी संवेदनशील हो, यह बहुत महत्त्वपूर्ण है। अधिकारी को भी यह समझना चाहिए कि वे उन्हें मिला है, उसे गँवाना नहीं चाहिए।"**

**–आनंदीबेन पटेल**

राजभवन उमंग

# जैविक खेती पर ज्यादा ध्यान दिया जाये

**30 सितम्बर, 2020**

**नीति आयोग भारत सरकार द्वारा आनलाइन आयोजित 'जीरो बजट गौ आधारित प्राकृतिक कृषि' विषयक कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल।**

गोवंश आधारित प्राकृतिक एवं जैविक खेती की तरफ ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। लेकिन किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती प्राकृतिक विधि से उत्पादित खाद्यान्नों के विक्रय की है। इसके लिए कोई नजदीकी बाजार उपलब्ध नहीं है। नीति आयोग को इस तरफ ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि किसानों को बिचौलियों से बचाने की जरूरत है ताकि वे कम मूल्य पर अपने उत्पाद न बेचने पायें। ये बातें उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन, लखनऊ से नीति आयोग भारत सरकार द्वारा आनलाइन आयोजित 'जीरो बजट गौ आधारित प्राकृतिक कृषि' विषयक कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि किसान सिंचाई के लिए अब सोलर पम्प का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं तथा इससे बिजली की बचत भी हो रही है। लेकिन इन किसानों के सामने सबसे बड़ी समस्या यह आ रही है कि इनके सोलर पैनेल रात में खराब कर दिए जा रहे हैं, जिससे उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने नीति आयोग को सुझाव दिया कि सोलर पम्प पैनलों को बीमा सुविधा के साथ जोड़ा जाय, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान न उठाना पड़े।

राज्यपाल ने नीति आयोग का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि प्राकृतिक एवं आर्गेनिक कृषि

उत्पादों की टेस्टिंग के लिए सभी कृषि विश्वविद्यालयों में टेस्टिंग लैब स्थापित किए जाने की आवश्यकता है, जिससे किसानों को उत्पादों की बिक्री हेतु आसानी से व यथाशीघ्र कृषि उत्पादों का प्रमाणीकरण (सर्टिफिकेशन) हो सके।

राज्यपाल ने किसानों का आह्वान किया कि वे भी उद्यमियों की भांति एक रजिस्टर रखें, जिसमें खेती में लगी लागत का पूरा लेखा–जोखा हो, जिससे यह पता चल सके कि उसने जो कृषि उत्पाद बेचा है, उसमें उसे कितना लाभ या हानि हुआ है। मंडियों में उत्पादों की बिक्री में आने वाली समस्याओं का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किसानों से निर्धारित मंडी शुल्क के अतिरिक्त किसी भी तरह का शुल्क नहीं लिया जाय। प्रायः किसान उनसे इस बात की शिकायत करते हैं कि मंडियों में अतिरिक्त शुल्क वसूला जाता है।

> **"राज्यपाल ने नीति आयोग का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि प्राकृतिक एवं आर्गेनिक कृषि उत्पादों की टेस्टिंग के लिए सभी कृषि विश्वविद्यालयों में टेस्टिंग लैब स्थापित किए जाने की आवश्यकता है, जिससे किसानों को उत्पादों की बिक्री हेतु आसानी से व यथाशीघ्र कृषि उत्पादों का प्रमाणीकरण (सर्टिफिकेशन) हो सके।"**

राज्यपाल ने नये कृषि कानूनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन कानूनों से किसानों को स्वतंत्र होकर अपने कृषि उत्पादों को मंडी में या मंडी के बाहर कहीं भी अच्छी कीमत पर बेचने की आजादी रहेगी। इससे किसानों को फायदा होगा।

इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री श्री कैलाश चौधरी, नीति आयोग के उपाध्यक्ष डा0 राजीव कुमार, राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के अध्यक्ष डा0 वल्लभभाई कथीरिया एवं नीति आयोग के अतिरिक्त सचिव डा0 राकेश सरवाल सहित अन्य लोग कार्यशाला से आनलाइन जुड़े हुए थे।

**"अच्छी वर्षा कृषक की मेहनत को सार्थक करती है। अच्छा वातावरण साधक के पुरुषार्थ को सफल बना देता है।"**

**–आनंदीबेन पटेल**

# बच्चों मे देशप्रेम भरता है भारत स्काउट्स एवं गाइड्स

**02 अक्टूबर, 2020**

गांधी जी के जीवन दर्शन से प्रभावित स्काउट्स एवं गाइड्स संगठन का हमारी भावी पीढ़ी को अनुशासित करने और उनमें देशभक्ति की भावना भरने में महत्वपूर्ण योगदान है। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन, लखनऊ से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयन्ती पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा 'गांधी जी के जीवन दर्शन' पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि यह संगठन बच्चों में देश प्रेम, परोपकार तथा जरूरतमंदों की मदद करने हेतु प्रेरित करता है, ताकि वे भविष्य में संवेदनशील नागरिक बनकर देश और समाज के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें।

राज्यपाल ने कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स एक ऐसा अभियान है जो 'व्यक्ति' से ज्यादा 'सेवा' को प्रोत्साहित करता है। जीवन के सफर में आने वाली विभिन्न परिस्थितियों के समाधान के लिये 'हमेशा तैयार रहो' ही स्काउट्स एवं गाइड्स का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स संगठन अपने शैक्षणिक प्रशिक्षण, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम और साहसिक गतिविधियों को अनुशासित माहौल में एकत्रित कर युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा देश भर में एक करोड़ वालंटियर बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए उत्तर प्रदेश में भी इनकी संख्या बढ़ायी जायेगी।

राज्यपाल ने कहा कि गांधी जी के देश में हम अब 'बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ' का अभियान चला रहे हैं, यह हम लोगों के लिए शर्म की बात है। गांधी जी ने बहुत पहले ही बेटियों की शिक्षा पर तब ध्यान दिया था, जब कोई इनकी शिक्षा की कल्पना भी नहीं करता था। उनके जीवन दर्शन से हमें अभी बहुत कुछ सीखने की जरूरत है।

इस अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संस्था के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डा0 अनिल कुमार जैन, मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त श्री के0के0 खंडेलवाल, राष्ट्रीय हेडक्वाटर आयुक्त श्री मनीष मेहता एवं निदेशक श्री राज कुमार कौशिक सहित अन्य लोग आनलाइन सहभागिता की।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयन्ती पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा 'गांधी जी के जीवन दर्शन' पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करती हुई राज्यपाल।

# देश को ताकतवर बनायेगी नयी शिक्षा नीति

5 अक्टूबर, 2020

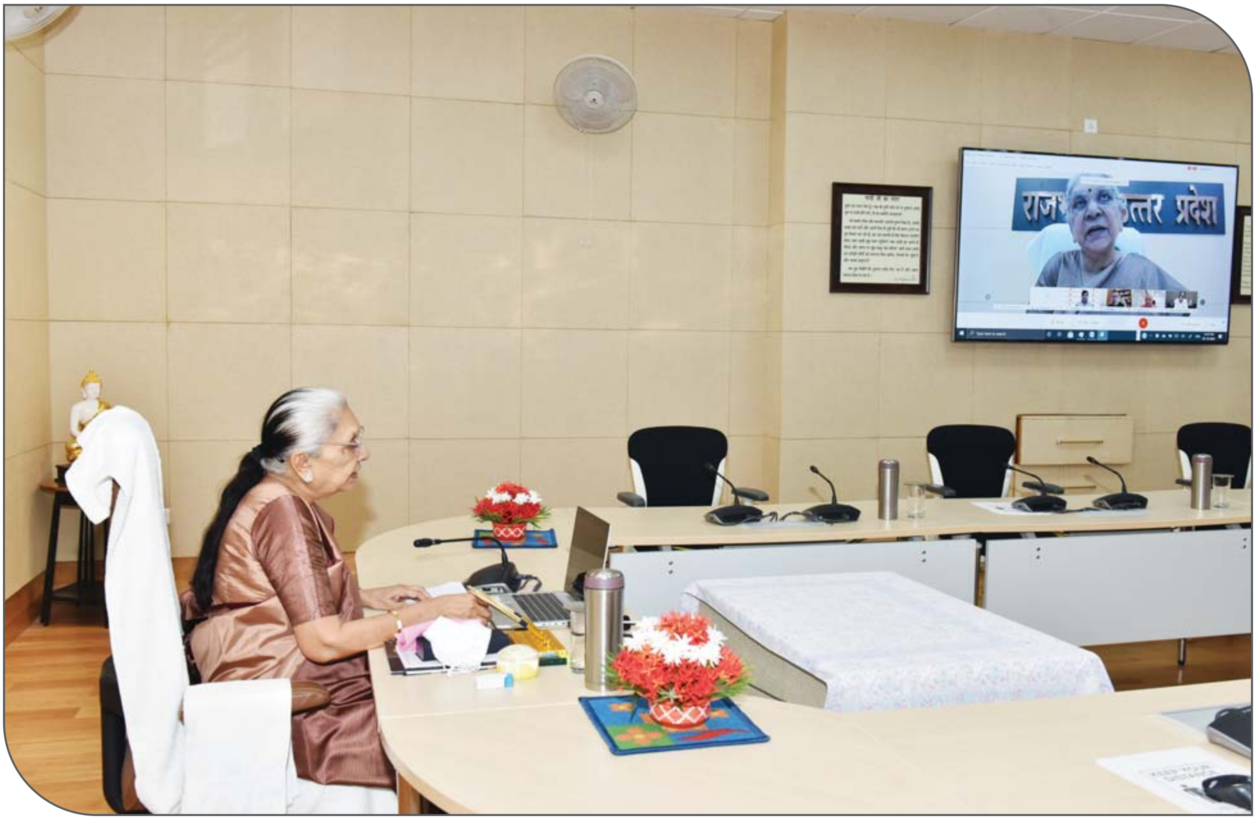


**द एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज ऑफ इण्डिया (एसोचैम), नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करती हुई राज्यपाल।**

शिक्षा नीति में देश को ताकतवर बनाने, विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचाने, नागरिकों को और सशक्त करने के लिए ज्यादा से ज्यादा नये अवसर बनाने पर जोर दिया गया है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन, लखनऊ से द एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज ऑफ इण्डिया (एसोचैम), नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। यह शिक्षा नीति 21वीं सदी के भारत को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। नई शिक्षा नीति से भारतीय शिक्षा तंत्र अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के करीब पहुंचेगा।

> **"इस शिक्षा नीति में देश को ताकतवर बनाने, विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचाने, नागरिकों को और सशक्त करने के लिए ज्यादा से ज्यादा नये अवसर बनाने पर जोर दिया गया है।"**

राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। बुनियादी शिक्षा ही बच्चे के भावी जीवन की आधारशिला होती है। नई शिक्षा नीति के तहत मातृभाषा में अध्ययन को महत्व दिया गया है। इससे बाल मन सहजता से पुष्पित और पल्लवित हो सकेगा। इस नीति में नैतिकता, मानवीय मूल्यों तथा संवैधानिक अपेक्षाओं से बच्चों को परिचित कराने की आवश्यकता पर अनेक सुझाव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बरसों से चली आ रही शिक्षा व्यवस्था में जो बदलाव लोग चाहते थे, उसका पूरा ध्यान रखा गया है। यह नीति कौशल आधारित समझ और रोजगारपरकता को लेकर बहुत गम्भीर है।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने इसके क्रियान्वयन के लिए टास्क फोर्स का गठन कर लिया है, जो प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए रोड मैप तैयार करेगी, ताकि राज्य शिक्षा प्रणाली में और सुधार हो। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य अच्छे नागरिक बनाना है। शिक्षा

**"नयी शिक्षा नीति आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम"**

से हर वर्ग को अपेक्षाएं हैं। सभी को अच्छे स्कूल में अच्छी गुणवत्तायुक्त और कौशल सिखाने वाली शिक्षा चाहिए। सभी को ऐसी शिक्षा चाहिए जो जीविकोपार्जन से जोड़े और व्यक्तित्व में आत्मविश्वास उत्पन्न करे।

राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि द एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज ऑफ इण्डिया (एसोचैम) जैसे संगठन जो उद्योग और व्यावसायिक नोट्स तैयार करने के साथ शैक्षणिक संस्थानों की नेटवर्किंग के मामले में काफी संवेदनशीलता दिखा रही है।

इस अवसर पर एसोचैम के चेयरमैन डॉ0 प्रशान्त भल्ला, एसोचैम के को–चेयरमैन श्री कुंवर शेखर विजेन्द्र एवं श्री विनीत गुप्ता तथा जनरल सिक्रेटरी श्री दीपक सूद सहित अन्य लोग ऑनलाइन जुड़े हुए थे।

❑❑

**"हम बार–बार ऐसा कहते हैं कि बालकों को ईमानदार बनना चाहिए, चोरी नहीं करनी चाहिए, परंतु ईमानदारी के सदगुण के आचरण को प्राप्त करने के लिए हमें ही उन्हें ऐसी जवाबदारी सौंपनी चाहिए, ताकि वे ईमानदारी से अपना कार्य कर सकें। स्कूल में नोटबुक, पेन, पेंसिल, रबर, शॉर्पनर जैसी चीजें रखी जाएँ। हरेक वस्तु पर कीमत लिखी हो। एक अलमारी के अलग–अलग खानों में ये वस्तुएँ रखी जाएँ, छात्र स्वयं ही उसे खरीदें, पैसे खुद ही बक्से में डालें और दिन के अंत में विद्यार्थियों की टीम पैसों का हिसाब करके शिक्षक को दे। क्या ऐसा नहीं हो सकता ?"**

**–आनंदीबेन पटेल**

# विश्वविद्यालयों में महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना

5 अक्टूबर, 2020

**प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में महिला अध्ययन केन्द्र स्थापित करने तथा विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के संबंध में राजभवन में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करती हुई राज्यपाल।**

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में राजभवन में प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में महिला अध्ययन केन्द्र स्थापित करने तथा विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने हेतु बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता, पं0 दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर, लखनऊ विश्वविद्यालय, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया तथा वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर की कुलपति उपस्थित थीं।

राज्यपाल ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों में महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 11वीं पंचवर्षीय योजना में महिलाओं के लिए की गयी व्यवस्था के तहत सभी विश्वविद्यालयों में महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना सुनिश्चित की जाय।

बैठक में विश्वविद्यालयों में शैक्षिक पदों पर चयन प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ कैसे हो, इस विषय पर चर्चा की गयी। राज्यपाल ने यू0जी0सी0 के मानक के अनुसार सभी विश्वविद्यालयों के लिए एक मानक तैयार किये जाने के निर्देश दिये, जिससे कहीं से भी कोई शिकायत न आये। इस विषय में कुलपतिगण विचार–विमर्श कर अपने सुझाव देंगे।

# नयी शिक्षा नीति से महिलाओं को सर्वाधिक लाभ

13 अक्टूबर, 2020

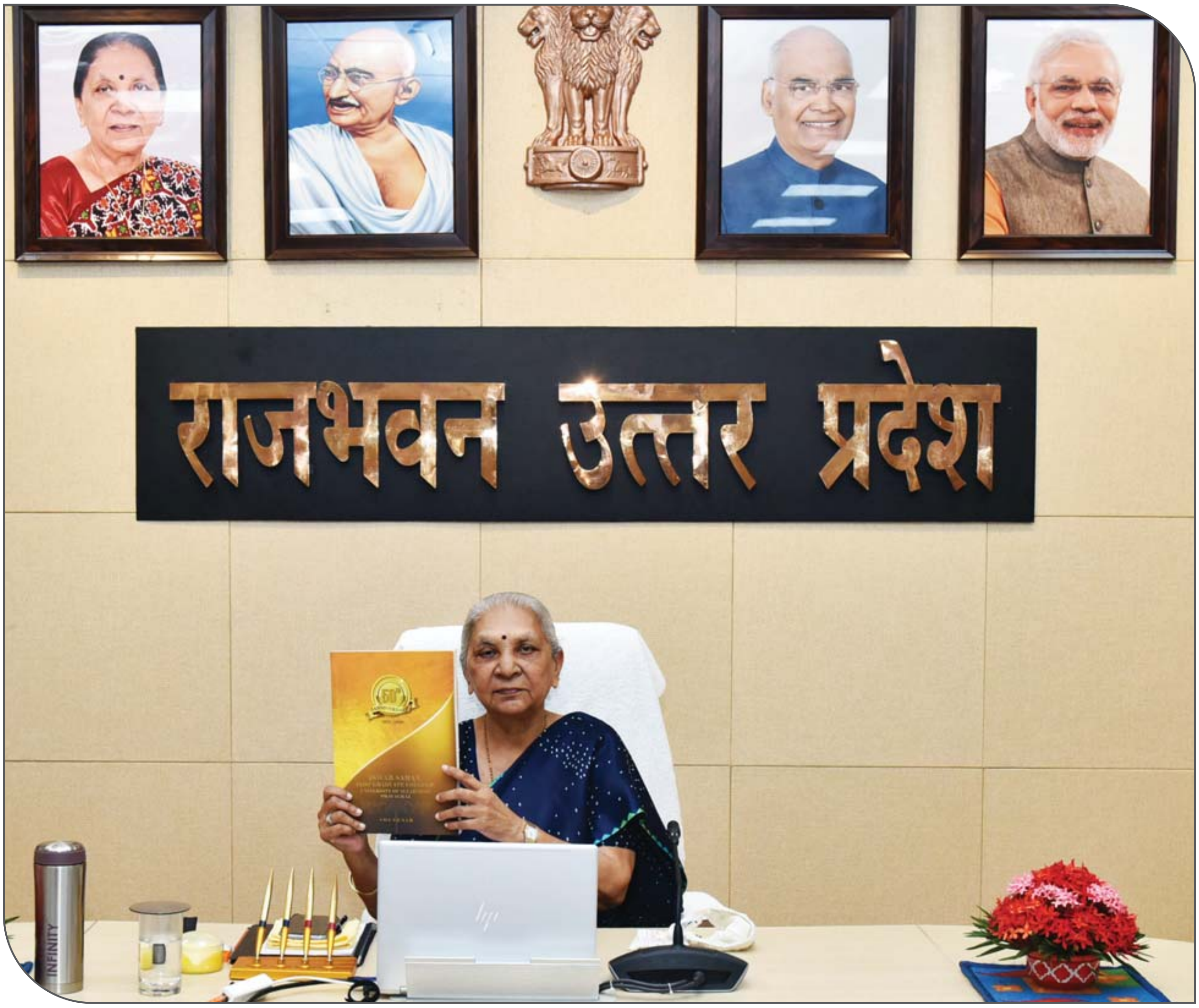


ईश्वर शरण डिग्री कालेज, प्रयागराज के स्वर्ण जयन्ती समारोह के अवसर पर गोल्डन जुबिली स्मारिका का आनलाइन विमोचन करती हुई राज्यपाल।

पुरातनकाल में भारत शिक्षा के क्षेत्र में विश्वगुरू था। उस समय विज्ञान, सामाजिक शिक्षा, नैतिक शिक्षा प्रमुख रूप से पढ़ाई जाती थी। लेकिन ब्रिटिशकाल में अंग्रेजी शिक्षा व्यवस्था ने सब कुछ बदल दिया। पुरानी शिक्षा व्यवस्था को नष्ट कर दिया गया। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन लखनऊ से ईश्वर शरण डिग्री कालेज, प्रयागराज के स्वर्ण जयन्ती समारोह को आनलाइन सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उददेश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है जो भारत की परम्परा, विरासत, सांस्कृतिक मूल्यों एवं

तकनीकी ज्ञान तथा कौशल विकास में समन्वय स्थापित करे। इसलिए इस नीति में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा की प्रणाली में महत्वपूर्ण परिवर्तन किये गये हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संकल्पना समाज की आवश्यकता तथा विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच, तार्किकता एवं नवाचार की भावना पर आधारित है।

राज्यपाल ने कहा कि बच्चों को रूचिकर और संस्कारी शिक्षा प्राप्त हो यही नई शिक्षा नीति का मुख्य उददेश्य है। नई शिक्षा नीति की जो सोच है, उसकी झलक पाठ्यक्रमों में भी आनी चाहिए। बच्चों की बुनियादी शिक्षा उसकी मातृभाषा में दी जानी चाहिए, जिससे बच्चे आसानी एवं शीघ्रता से सीख सकें। आज के बच्चों का आई–क्यू बहुत अच्छा है और वह अभी से तरह–तरह के प्रश्न करने लगे हैं, जो पहले के बच्चे ऐसा सोच भी नहीं सकते थे। इसी के मद्देनजर अध्यापकों के दो साल के अन्तराल पर प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो बच्चों में देशप्रेम, सेवाभाव, नैतिकता और सत्यता का बोध कराये।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अकादमिक क्रेडिट बैंक की स्थापना से महिलाओं को सर्वाधिक लाभ होगा। उन्होंने बताया कि 12वीं तक की पढ़ाई कर कालेज पहुंचने वाली कई छात्राओं का विवाह हो जाता है, जिससे उनकी पढ़ाई छूट जाती। ऐसी बालिकाओं को इससे फायदा होगा कि वे फिर से आगे की पढ़ाई कर सकेंगी। इसके साथ ही मल्टीपल इन्ट्री एण्ड एक्जीट सिस्टम में अनेक विकल्पों वाले विषयों का

ईश्वर शरण डिग्री कालेज, प्रयागराज के प्रो0 प्रमिला श्रीवास्तव परिसर का उद्घाटन करती हुई राज्यपाल।

प्राविधान भी महिलाओं के लिए अधिक उपयोगी होगा, जिससे उन्हें विभिन्न स्तरों पर सर्टिफिकेट, डिप्लोमा एवं डिग्री प्राप्त करने के अनेक अवसर उपलब्ध होंगे। इसी प्रकार शिक्षा में बालिकाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए जेन्डर समावेशी फण्ड की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति के पूरी तरह से क्रियान्वयन के बाद देश के शिक्षा जगत में दूरगामी सकारात्मक परिणाम परिलक्षित होंगे।

इस अवसर पर राज्यपाल ने ऑनलाइन महाविद्यालय की गोल्डन जुबिली स्मारिका का विमोचन, प्रो0 प्रमिला श्रीवास्तव परिसर का उद्घाटन एवं प्रतिमा का अनावरण तथा लर्निंग मैनेजमेन्ट सिस्टम 'अविरल' का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजीव रंजन तिवारी, ईश्वर शरण महाविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 आनंद शंकर सिंह तथा अन्य शिक्षकगण आनलाइन जुड़े हुए थे।

**“ बच्चों को रूचिकर और संस्कारी शिक्षा प्राप्त हो यही नई शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य ”**

# 'कलाम किचन' एवं 'कलाम डिजिटल स्कूल' का आनलाइन शुभारम्भ

**15 अक्टूबर, 2020**

**डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम सेन्टर द्वारा पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम की 89वीं जयन्ती के अवसर पर लखनऊ में शुरू किये जा रहे 'कलाम किचन' एवं 'कलाम डिजिटल स्कूल' का आनलाइन शुभारम्भ राजभवन लखनऊ से कर अपने विचार व्यक्त करते हुए राज्यपाल।**

भारत रत्न डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम देश के लिये सपने देखते थे। देश को अंतरिक्ष में पहुंचाने और मिसाइल क्षमता से लैस करने में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने अपने को सदैव एक शिक्षक ही माना। डॉ0 कलाम ज्ञान आधारित समाज का सपना देखते थे और उनका दृष्टिकोण समाधान केन्द्रित था। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन लखनऊ से पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम की 89वीं जयन्ती के अवसर पर डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम सेन्टर द्वारा लखनऊ में शुरू किये जा रहे 'कलाम किचन' के ऑनलाइन शुभारम्भ के मौके पर व्यक्त किये। इस अवसर पर 'कलाम डिजिटल स्कूल' का भी शुभारम्भ किया।

राज्यपाल ने कहा कि डॉ0 अब्दुल कलाम ऐसे राष्ट्र नायक थे, जिन्होंने अपने कार्यों और विचारों से न केवल लोगों को प्रेरित किया, बल्कि युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हुए असम्भव को भी सम्भव कर दिखाने की प्रेरणा दी। उनकी दी हुई शिक्षाओं को हमारे युवाओं को आत्मसात करने की जरूरत है। उन्होंने विज्ञान के साथ सामाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक क्षेत्र में भी कई नये विचार दिये। डॉ0 कलाम का कहना था कि युवाओं को यदि सही दिशा दिखाई जाए तो वे मानवता के लिए परिवर्तनकारी बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज डॉ0 कलाम के सकारात्मक कार्य करते रहने की प्रवृत्ति को युवाओं को अपने जीवन से जोड़ने की जरूरत है।

राज्यपाल ने कहा कि देश की युवा पीढ़ी नये–नये आविष्कार करें और एक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में अपना योगदान दे। भारत को एक ऐसा देश बनाना है, जहां गांव–शहर का अन्तर न के बराबर हो, जहां सभी के लिए संसाधनों की समान उपलब्धता हो, जहां हर किसी को बेहतर स्वास्थ्य सेवा और अच्छी शिक्षा मिले। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की विशेष भूमिका है। उन्होंने कहा कि निरन्तर प्रयासों से और सबके साथ मिलकर हम इस सपने को साकार कर सकते हैं।

**“भारत को एक ऐसा देश बनाना है, जहां गांव–शहर का अन्तर न के बराबर हो, जहां सभी के लिए संसाधनों की समान उपलब्धता हो, जहां हर किसी को बेहतर स्वास्थ्य सेवा और अच्छी शिक्षा मिले।”**

उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम के विजन को आगे ले जाने में कलाम सेन्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। लखनऊ में 'कलाम किचन' की शुरूआत उन लोगों के लिए की जा रही है, जिनकी आय में कोरोना महामारी के कारण कमी आई है। यह किचन अगले दो महीने तक 10 हजार से भी अधिक लोगों की मदद मासिक राशन किट देकर करेगा।

'कलाम डिजिटल स्कूल' के माध्यम से विद्यार्थी निःशुल्क एनिमेशन द्वारा डा0 कलाम से सीधे पढ़ सकते हैं।

इस अवसर पर कलाम सेंटर के सी0ई0ओ0 श्री सृजन पाल सिंह नई दिल्ली से, कलाम सेंटर के ट्रस्टी डा0 अशोक विखे पाटिल, सुश्री रितु प्रकाश छाबरिया लंदन से, सुश्री पायल राजपाल पुणे से एवं गोदरेज से डिम्पी देव आनलाइन जुड़ी हुईं थी।

□□

**"इच्छाओं को शांत करने की**
**बात बाद में करना,**
**पहले इच्छाओं को निर्मल तो करें**
**इच्छाओं की निर्मलता मन को**
**स्वस्थ करके ही रहेगी।"**

**–आनंदीबेन पटेल**

# वरदान साबित हो सकता है मुक्त विश्वविद्यालय

16 अक्टूबर, 2020

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के नये निर्मित होने वाले भवन का ऑनलाइन शिलान्यास करते हुए राज्यपाल एवं कुलाधिपति।

देश के स्वाधीनता आन्दोलन में कानपुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसे उत्तर प्रदेश की औद्योगिक राजधानी भी कहा जाता है। यह नगर सूती वस्त्र, ऊनी वस्त्र और जूट की मिलों के रूप में प्रसिद्ध रहा है। प्लास्टिक उद्योग, इंजीनियरिंग तथा इस्पात के कारखानों, बिस्कुट आदि बनाने के कारखाने पूरे जनपद में लगे हुए हैं। यहां बड़े उद्योगों के साथ छोटे–छोटे अनेक कल–कारखानें स्थापित हैं। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन से उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के नये निर्मित होने वाले भवन का ऑनलाइन शिलान्यास करते हुए व्यक्त किया।

**"नई शिक्षा नीति सबके लिए आसान पहुंच, समानता, गुणवत्ता और जवाबदेही के आधारभूत स्तंभों पर निर्मित है।"**

उन्होंने कहा कि कानपुर में विश्वविद्यालय का अपना क्षेत्रीय कार्यालय भवन बन जाने से उस क्षेत्र के विद्यार्थियों को सुविधा हो जायेगी। समाज का एक ऐसा वर्ग है, जो घरेलू दिनचर्या या व्यावसायिक व्यस्तताओं के कारण कक्षाओं में नियमित अध्ययन नहीं कर सकता, वह मुक्त विश्वविद्यालय के माध्यम से गुणात्मक शिक्षा ग्रहण कर सकता है। इसके साथ ही यहां कारखानों

में लाखों लोग काम करते हैं। वे लोग काम के साथ अपनी पढ़ाई भी करना चाहते हैं। उनके लिए भी उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय एक वरदान साबित हो सकता है।

राज्यपाल ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा के सभी स्तरों पर वंचित समूहों की समान सहभागिता सुनिश्चित की गयी है एवं उनमें विशेष रूप से वंचित महिलाओं की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसमें पहला कदम शिक्षा में बालिकाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए जेन्डर समावेशी फण्ड की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति सबके लिए आसान पहुंच, समानता, गुणवत्ता और जवाबदेही के आधारभूत स्तंभों पर निर्मित है। इस शिक्षा नीति में प्रत्येक विद्यार्थी में रचनात्मक सोच, तार्किक निर्णय और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित कर, उसमें निहित अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाना है।

राज्यपाल ने उच्च शिक्षण संस्थाओं से अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण ई–पाठयवस्तु क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षकों द्वारा विकसित किए जाएं। उच्चतर शिक्षा प्रणाली में शिक्षण तथा पठन–पाठन ऐसा होना चाहिए, जो विद्यार्थियों में अन्वेषण, समाधान, तार्किकता और रचनात्मकता विकसित करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा दी जाए जो चरित्र निर्माण, नैतिकता, करूणा और संवेदनशीलता का भाव विकसित करे और रोजगार योग्य भी बनाए। उन्होंने कहा कि वास्तव में शिक्षा के माध्यम से हमें ऐसे विद्यार्थियों को गढ़ना है जो राष्ट्र–गौरव के साथ–साथ विश्व–कल्याण से ओत–प्रोत हो और वे सही मायने में 'ग्लोबल सिटिजन' बन सकें।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डा0 दिनेश शर्मा का वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, अनेक विद्वतजन एवं शिक्षकगण भी आनलाइन जुड़े हुए थे।

**उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के नये भवन के शिलान्यास के अवसर पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री डा0 दिनेश शर्मा।**

# सेफ सिटी परियोजना का शुभारम्भ

17 अक्टूबर, 2020

'सेफ सिटी परियोजना' के शुभारम्भ अवसर पर सम्बोधित करती हुई राज्यपाल।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन से सेफ सिटी परियोजना का शुभारम्भ करते हुए 100 पिंक पेट्रोल स्कूटी एवं 10 चार पहिया महिला पुलिस वाहनों को झण्डी दिखाकर रवाना किया। निर्भया फण्ड से अनुदानित 'सेफ सिटी परियोजना' हेतु चयनित देश के 8 महानगरों में लखनऊ भी सम्मिलित है।

राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु महिला पुलिस कर्मी का दस्ता पूरे शहर में भ्रमण करेगा, इससे सुरक्षा की भावना एवं गौरव का बोध होता है। सेफ सिटी परियोजना 180 दिन चलने वाला अभियान है जिसके तहत पुलिस सहित सभी विभाग केन्द्रीकृत होकर महिला हितों के लिये कार्य करेंगे। उन्होंने केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के लिये चलायी जा रही योजनाओं के लिए अभिनन्दन करते हुए कहा कि हमें देखना होगा कि इन योजनाओं का लाभ महिलाओं को मिले।

श्रीमती पटेल ने कहा कि महिलाओं के प्रति अपराध बढ़ रहे हैं। ऐसे में समाज का दायित्व बढ़ जाता है। महिलाओं के लिये संचालित योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन हो अन्यथा वे अपना महत्व खो देंगी। महिलाएं जब तक सामाजिक एवं आर्थिक रूप से दूसरों पर निर्भर रहेंगी तब तक उनका उत्पीड़न होता रहेगा। महिलाओं को सशक्त बनना होगा। राज्यपाल ने कहा कि समाज में अपराधी एवं विकृत प्रवृत्ति के भी लोग हैं जिन्हें अपराध करने में संतोष मिलता है। छात्राओं को

स्कूल जाते समय परेशान किया जाता है। ऐसे लोगों के कारण महिलाएं परिवार में भी स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं करती। उन्होंने कहा कि पुलिस ऐसे लोगों को चिन्हित कर अपराध करने से पूर्व ही रोके।

राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारियाँ ही नहीं होती है। महिलाओं को अपने क्षेत्र के थानों एवं स्थानीय अधिकारियों का भी पता नहीं होता है। जब महिलाएं एवं बेटियाँ पुलिस और थाने से डरेंगी तो सुरक्षा की भावना कैसे विकसित होगी। पुलिस एवं अन्य विभाग के अधिकारियों को अपने–अपने क्षेत्र में जाकर महिलाओं, विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षिकाओं तथा स्वयं सेवी महिला सगठनों से मिलकर महिलाओं के कल्याणार्थ चलायी जा रही योजनाओं एवं उनके अधिकारों की जानकारी देनी चाहिए, तब सकारात्मक परिणाम सामने आयेंगे। यह समाज के सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है। संकुचित विचारधारा का त्याग किजिये। उन्होंने कहा कि सभी को महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति पर चर्चा करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों का दायित्व केवल प्रवेश, शिक्षण, परीक्षा एवं परिणाम तक सीमित नहीं होना चाहिए। बेटियों सुरक्षित हैं कि नहीं, उन्हें अधिकारों की जानकारी है या नहीं, इस पर भी चर्चा होनी चाहिए। छात्राओं को उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता, सुरक्षा, पोषण, आत्मनिर्भरता, विवाह पश्चात स्वयं एवं परिवार के बारे में भी जानकारी देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्राओं एवं बच्चों को थानों में भी बुलाया जाये और उन्हें आवश्यक जानकारियों तथा विषम परिस्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण दिया जाये।

श्रीमती पटेल ने कहा कि पुलिस विभाग के सभी स्तर के अधिकारियों का समय–समय पर प्रशिक्षण होना चाहिए। अद्यतन ज्ञान एवं कुशलता से पूर्ण होने पर ही वांछित परिणाम मिलेंगे। प्रदेश को अपराध एवं भयमुक्त करने के लिये जो लक्ष्य आपने निर्धारित किये हैं वह प्राप्त करने होंगे। आपके क्षेत्र में कोई घटना न हो, ऐसा संकल्प प्रत्येक पुलिसकर्मी को लेना होगा। उन्होंने कहा कि साधनों का सदुपयोग समाज एवं जनता के हित में करना चाहिए।

महिला कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती स्वाती सिंह ने कहा कि संविधान में महिलाओं को बराबरी का अधिकार मिला है। समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान का भाव जागृत करें। हमें बेटा और बेटी का अंतर मिटाना होगा। हमें अपने बेटों को बेटी का सम्मान करने की शिक्षा देना होगी। लड़की को बेटी, बहन, माँ एवं पत्नी के रूप में केटेगराइज न कर, सभी का सम्मान करें। ऐसा करके ही हम महिलाओं के विरूद्ध घटित होने वाले अपराधों को जड़ से समाप्त कर सकेंगे। नारी त्याग, करूणा, प्रेम और दया का प्रतिरूप होती है। जब नारी के स्तीत्व की बात आती है तो नारी अनुसइया, जब पतिव्रत की बात आती है तो नारी सावित्री, जब त्याग की बात आती है तो पन्नाधाय और जब कर्तव्य की बात आती है तो नारी लक्ष्मीबाई के रूप में हमारे सामने होती है।

पुलिस महानिदेशक श्री एच0सी0 अवस्थी ने कहा कि उत्तर प्रदेश विशाल प्रदेश है। पुलिस के साथ–साथ लोगों को भी जागरूक कर भयमुक्त वातावरण बनाने का प्रयास किया जायेगा। मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिला अपराध के दुराचारियों की पहचान उजागर करना, थानों में महिला डेस्क स्थापित करना, नुक्कड़ नाटक के

माध्यम से सामाजिक स्थलों में जन जागरूकता बढ़ायी जायेगी। उन्होंने कहा कि पिंक पेट्रोल वाहनों को प्रदेश के अन्य जनपदों में भी लागू किया जायेगा।

**"छात्राओं को उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता, सुरक्षा, पोषण, आत्मनिर्भरता, विवाह पश्चात स्वयं एवं परिवार के बारे में भी जानकारी देनी चाहिए।"**

लाइट तथा सुविधाओं से युक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व में महिला अपराध से महिला पुलिस निपटेगी, जिससे महिलाएं सुरक्षित महसूस करेंगी।

अपर पुलिस महानिदेशक महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन उत्तर प्रदेश श्रीमती नीरा रावत ने सेफ सिटी परियोजना के अंतर्गत लखनऊ में प्रारम्भ की गयी पिंक पेट्रोल योजना के प्रकाश डालते हुए बताया कि इसमें केन्द्र सरकार द्वारा 60 प्रतिशत तथा राज्य सरकार द्वारा 40 प्रतिशत व्यय वहन किया जायेगा। लखनऊ में 100 दो पहिया तथा 10 चार पहिया महिला वाहन लखनऊ में संचालित किये जायेंगे जो रेडिया संचार तथा 112 सुविधा से जुड़े हैं। इन वाहनों को फर्स्ट एड किट, फ्लैशर

इस अवसर पर राज्यपाल का पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन भी किया गया। कार्यक्रम में लखनऊ की महापौर श्रीमती संयुक्ता भाटिया, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री महेश कुमार गुप्ता, अपर मुख्य सचिव सूचना श्री नवनीत सहगल, आयुक्त लखनऊ मण्डल श्री रंजन कुमार, जिलाधिकारी लखनऊ श्री अभिषेक प्रकाश, पुलिस आयुक्त लखनऊ श्री सुजीत पाण्डेय सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

**राजभवन से 'सेफ सिटी परियोजना' का शुभारम्भ करते हुए 100 पिंक पेट्रोल स्कूटी एवं 10 चार पहिया महिला पुलिस वाहनों को झण्डी दिखाकर रवाना करती हुई राज्यपाल।**

# 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान में सहयोग करें चिकित्सा संस्थान

**26 अक्टूबर, 2020**

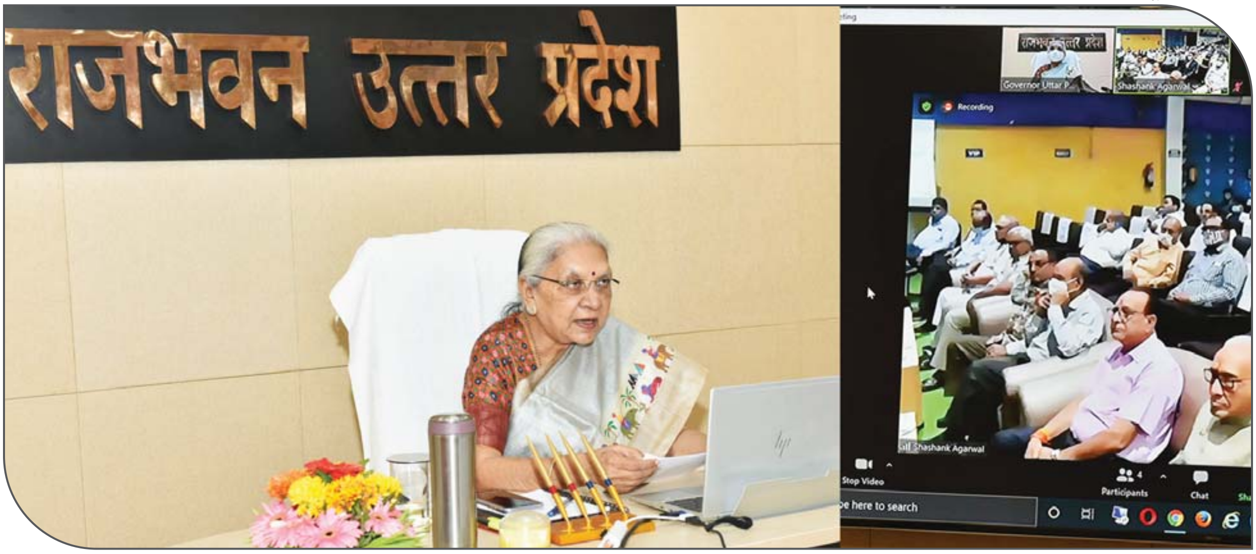


धर्म समाज कालेज ऑफ फार्मेसी, अलीगढ़ के नवनिर्मित भवन के आनलाइन लोकार्पण के अवसर पर सम्बोधित करती हुई राज्यपाल।

हमारे चिकित्सा संस्थान कौशल तकनीक संवर्द्धन, स्थानीय संसाधनों, श्रम शक्ति को सशक्त करते हुए 'आत्मनिर्भर भारत' के अभियान में सहयोग करें ताकि हमारा समाज और राष्ट्र स्वस्थ, सतर्क और सशक्त बना रहे। ये उद्‌गार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन से धर्म समाज कालेज ऑफ फार्मेसी, अलीगढ़ के नवनिर्मित भवन का आनलाइन लोकार्पण करते हुए व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भवन में आधुनिक पुस्तकालय, कम्प्यूटर कक्ष तथा अत्याधुनिक कान्फ्रेंस हाल सहित सुसज्जित प्रयोगशालाएं शोध करने वाले विद्यार्थियों के लिये महत्वपूर्ण हैं। राज्यपाल कहा कि फार्मेसी के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की औषधियों का ज्ञान, उनकी क्रिया विधि, साइड इफेक्ट्स, अंतर क्रिया के साथ उपचार तथा रोग विज्ञान की जानकारी भी आती है। एक अच्छे फार्मेसिस्ट के लिए इन गुणों का होना बहुत जरूरी है, क्योंकि फार्मेसिस्ट को ही चिकित्सकों द्वारा बताई गई दवा को कैसे खाना है, की जानकारी मरीजों को देनी होती है।

उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के रूप में शिक्षण संस्थाओं को अवसर मिला है कि समाज की वर्तमान चुनौतियों के समाधान और भविष्य की जरूरतों के अनुसार शिक्षण व्यवस्था में परिवर्तन कर ऐसा पाठ्यक्रम तैयार करें, जिसमें युवाओं को ज्यादा से ज्यादा जोड़ा जा सके।

राज्यपाल ने कहा कि सामाजिक स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत औषधियों की उपयोगिता एवं उनके हानिकारक प्रभावों पर जागरूकता फैलाने की जरूरत है। रोजगार की दृष्टि से फार्मेसी संस्थानों का योगदान दिन प्रति दिन बढ़ता ही जा रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि स्वास्थ्य सेवा से जुड़े सभी लोग केन्द्र एवं राज्य सरकार की स्वास्थ्य क्षेत्र में चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजनाओं के सफल संचालन में

अपना सहयोग देने के लिए तत्पर रहें, ताकि जिनके लिये इस प्रकार की योजना शुरू की गई है, उनको इसका पूरा फायदा मिले और वे स्वस्थ रहकर देश के विकास में अपना सहयोग दे सकें।

उन्होंने बताया कि सरकार की जन औषधि योजना में जनसाधारण को सस्ती औषधि उपलब्ध कराने में फार्मेसी संस्थानों का प्रमुख योगदान है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में फार्मेसिस्ट की नियुक्ति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा स्वस्थ इण्डिया योजना के अन्तर्गत मील का पत्थर साबित होगी। शहरी स्वास्थ्य योजना के अन्तर्गत शहर की मलिन बस्तियों के लिए स्वास्थ्य योजनाओं को लागू करने मे फार्मेसिस्टों का सहयोग लिया जाता है। चिकित्सा के क्षेत्र में फार्मेसिस्टों की जिस प्रकार से मांग बढ़ रही है, उससे आने वाले समय में फार्मेसिस्ट 'हेल्थ केयर सिस्टम' का एक महत्वपूर्ण अंग होंगे।

**"सरकार की जन औषधि योजना में जनसाधारण को सस्ती औषधि उपलब्ध कराने में फार्मेसी संस्थानों का प्रमुख योगदान है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में फार्मेसिस्ट की नियुक्ति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा स्वस्थ इण्डिया योजना के अन्तर्गत मील का पत्थर साबित होगी।"**

राज्यपाल ने कहा कि सांइस और टेक्नालॉजी विकास के लिये बहुत आवश्यक है। देश का सतत विकास इसी पर टिका हुआ है। गरीबी के खिलाफ लड़ाई जीतने और एक समान प्रगति के लिये वैज्ञानिक समुदाय के कार्यों से लाभ उठाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज का समय नई–नई तकनीकियों का है, ऐसे में फार्मेसिस्टों के कार्य क्षेत्र भी बढ़े हैं। इंटरनेट के माध्यम से फार्मेसी कंसलटेंट का कार्य हो रहा है, जो मरीजों को दवाइयों के इस्तेमाल करने के तरीके और उनके इस्तेमाल के नुकसान के बारे में जानकारी देते हैं।

इस अवसर पर डा0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के कुलपति डा0 अशोक मित्तल, धर्म समाज सोसाइटी के अध्यक्ष श्री महेश नन्दन अग्रवाल, सचिव श्री संजीव अग्रवाल, धर्म समाज कॉलेज आफ फार्मेसी के प्राचार्य डा0 लाल रत्नाकर सिंह एवं धर्म समाज महाविद्यालय के प्राचार्य डा0 हेम प्रकाश आनलाइन जुड़े हुए थे।

धर्म समाज कालेज ऑफ फार्मेसी, अलीगढ़ के नवनिर्मित भवन का आनलाइन लोकार्पण करते हुए राज्यपाल।

# बेटियों के लिए जरूरी है जूडो का प्रशिक्षण

28 अक्टूबर, 2020

श्री प्रकाश चन्द्र द्वारा लिखित पुस्तक 'I Love Judo' का विमोचन करती हुई राज्यपाल।

विश्व जूडो दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश जूडो एसोसिएशन द्वारा राजभवन में आयोजित 'ब्लैक बेल्ट वितरण' कार्यक्रम में 41 राष्ट्रीय स्तर के ब्लैक जूडो खिलाड़ियों को राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने सम्मानित किया और श्री प्रकाश चन्द्र द्वारा लिखित पुस्तक 'I Love Judo' का विमोचन भी किया।

राज्यपाल ने जूडो खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जूडो आत्म–रक्षा से जुड़ा हुआ एक खेल है, जो अपने बचाव एवं सुरक्षा के लिये प्रेरित करता है। जूडो सम्पूर्ण जीवन जीने की कला है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में बेटियां जूडो का प्रशिक्षण लेकर स्वयं को सशक्त बनायें, जिससे वे हर परिस्थिति का मुकाबला करने में सक्षम हो सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी विद्यालयों, कालेजों एवं विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाली हमारी बेटियों को जूडो खेल का प्रशिक्षण दिया जाये, ताकि वे विपरीत परिस्थितियों में

> **"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देशवासियों को योगाभ्यास, फिट इण्डिया मूवमेन्ट और खेलो इण्डिया का जो मूलमंत्र दिया है, वह सभी के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।"**

अपनी आत्मरक्षा के रूप में इसका प्रयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मरक्षा हेतु इस प्रकार के खेलों का प्रशिक्षण अवश्य लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में खेल और फिटनेस का महत्व है। खेल के माध्यम से मनुष्य में सोच, नेतृत्व, लक्ष्य निर्धारण ओर जोखिम लेने के गुण का विकास होता है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देशवासियों को योगाभ्यास, फिट इण्डिया मूवमेन्ट और खेलो इण्डिया का जो मूलमंत्र दिया है, वह सभी के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

**"राज्यपाल ने विश्व जूडो दिवस के अवसर पर 41 राष्ट्रीय स्तर के ब्लैक जूडो खिलाड़ियों को सम्मानित किया।"**

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता ने कहा कि जापान में जन्मे डा0 जिगोरो कानो ने आत्मरक्षा हेतु मार्शल आर्ट के रूप में इस खेल की शुरूआत की थी तथा जूडो को 1964 के टोकियो ओलम्पिक में पहली बार शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि खुशी की बात है कि वाराणसी के विजय यादव ने ओलम्पिक 2020 के लिए क्वालीफाई किया है। इस खेल में दृष्टिबाधित, दिव्यांग एवं मूक बाधिर खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर कई पदक प्राप्त किए हैं।

**विश्व जूडो दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश जूडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'ब्लैक बेल्ट वितरण' कार्यक्रम के राष्ट्रीय स्तर के ब्लैक जूडो खिलाड़ी को सम्मानित सम्मानित करती हुई राज्यपाल।**

कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव एवं जूडो एसोसिएशन के चेयरमैन श्री महेश कुमार गुप्ता, उत्तर प्रदेश ब्लाइन्ड एण्ड पैरा जूडो एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री मुकेश मेश्राम, आर0डी0एस0ओ0 के डायरेक्टर श्री प्रकाश चन्द्रा, यू0पी0 जूडो के अध्यक्ष श्री सुधीर एस0 हलवासिया एवं यू0पी0 जूडो के सी0ई0ओ0 श्री मुनव्वर अंजार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

राजभवन में जूडो का प्रशिक्षण प्राप्त करती हुई बालिकाएं।

विश्व जूडो दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश जूडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'ब्लैक बेल्ट वितरण' कार्यक्रम में 41 राष्ट्रीय स्तर के ब्लैक जूडो खिलाड़ियों के साथ राज्यपाल।

# बहुत विशाल था सरदार पटेल का व्यक्तित्व

28 अक्टूबर, 2020

भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय द्वारा आयोजित 'भारतरत्न लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल' के जीवन दर्शन, सिद्धान्त एवं उनके योगदान पर आधारित वेबिनार को राजभवन से सम्बोधित करती हुई राज्यपाल।

जब हम लौहपुरूष सरदार पटेल पर चर्चा करते हैं तो हमारे मन मस्तिष्क में अखण्ड भारत का प्रतिबिम्ब बनता है, जिसमें सुशासन है, नागरिकों में आत्म सम्मान का बोध है और समावेशी विकास के प्रति एक राष्ट्रीय निष्ठा है। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन से ऑनलाइन भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय द्वारा आयोजित 'भारतरत्न लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल' के जीवन दर्शन, सिद्धान्त एवं उनके योगदान पर आधारित वेबिनार को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के जन्मदिन को 'राष्ट्रीय एकता

**"गुजरात के बड़ोदरा में 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' के रूप में स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल की विशाल प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को देश की एकता और अखण्डता को बनाये रखने की सदैव प्रेरणा देती रहेगी।"**

दिवस' के रूप में मनाया जाना समीचीन है, क्योंकि उन्होंने देश की एकता और अखण्डता को साकार रूप दिया था।

राज्यपाल ने कहा कि सरदार पटेल वकील, स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ दृढ़ इच्छाशक्ति वाले महान व्यक्ति थे और उनका व्यक्तित्व भी बहुत विशाल था। सरदार पटेल के विचार आज भी प्रासंगिक और प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत एक सूत्र में बंधा हुआ है, जिसका श्रेय सरदार पटेल को ही जाता है। आजादी से पूर्व विद्यमान सभी रियासतों का विलय भारत में कराने में उन्होंने बहुत बड़ा योगदान दिया। उनके इस महान प्रयास के कारण ही आज हम एक बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में पूरे विश्व में पहचान बना पाये हैं। राज्यपाल ने कहा कि सभी लोग सरदार पटेल के विचारों को आत्मसात करें, ताकि भारत एक मजबूत एवं आत्मनिर्भर भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ सके।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि गुजरात के बड़ोदरा में 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' के रूप में स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल की विशाल प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को देश की एकता और अखण्डता को बनाये रखने की सदैव प्रेरणा देती रहेगी। राज्यपाल ने बताया कि बड़ोदरा की इस प्रतिमा निर्माण में देश के 6 लाख से अधिक ग्रामीण और किसानों ने लोहा दान किया था, जो देश के किसानों का सरदार पटेल के प्रति कृतज्ञता का भाव और सम्मान था। उन्होंने कहा कि 1918 में खेड़ा संघर्ष और 1928 में बारदोली सत्याग्रह के माध्यम से सरदार पटेल ने देश के किसानों के लिये महत्वपूर्ण संघर्ष किया था। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान में देश के किसानों की उन्नति एवं खुशहाली के लिये तीन कानून बनाये गये हैं, जो उनकी आय को दोगुना करने में भी सहायक होंगे। नये कृषि कानूनों से किसानों को अनेक बंधनों से आजादी मिलेगी।

इस वेबिनार में मेघालय के पूर्व राज्यपाल श्री तथागत राय, राजीव गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 साकेत कुशवाह, पत्र सूचना कार्यालय के महानिदेशक श्री आर0पी0 सरोज सहित अन्य लोगों ने ऑनलाइन सहभागिता की।

**"जो बोए, वही देने की जवाबदारी धरती की है, परंतु क्या बोना है, उसका चयन करने का अधिकार हमारे हाथ में है।"**

**–आनंदीबेन पटेल**

# कुटीर उद्योगों को दी जा रही है भरपूर सहायता

29 अक्टूबर, 2020

ग्रामीणों द्वारा बनाये गये उत्पादों का अवलोकन करती हुई राज्यपाल।

ग्रामोन्नयन से राष्ट्रोन्नयन, सशक्त ग्राम से सशक्त भारत और सशक्त भारत से आत्मनिर्भर भारत का मिशन तभी पूर्ण हो सकता है, जब हम ग्रामीण क्षेत्रों के विकास की योजनाओं, ग्रामीण कामगारों का सही मार्गदर्शन, ग्रामीण उद्यमिता का अनुकूल विकास आदि को सबल प्रदान करें। ये उद्‌गार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन से छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ' कार्यशाला का ऑनलाइन उद्‌घाटन करते हुए व्यक्त किया।

राज्यपाल ने कहा कि उत्सवों एवं त्योहारों को ध्यान में रखकर ग्रामीण उत्पादों को तैयार करायें तथा स्थानीय मेलों व बाजारों में उत्पादों के विक्रय हेतु उचित एवं निःशुल्क स्थान दिलायें, जहां ग्रामीण अपने उत्पाद बेच सकें। ग्रामीणों को केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जाए ताकि वे उन योजनाओं से लाभान्वित हो सकें। हस्तशिल्पियों, दस्तकारों और कारीगरों को नई तकनीक एवं डिजाइन की भी जानकारी दी जाये, जिससे वे अपनी कलाकृतियों एवं उत्पादों में अपेक्षित सुधार लाकर अपने उत्पादों को बड़े बाजार में बेंच सकें। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर सर्वे कराकर उनकी जरूरतों के हिसाब से तकनीक उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि देश की अधिकतर आबादी गांवों में रहती है। इसलिए ग्रामवासियों का विकास ही देश के समग्र विकास का आधार है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा गांवों को सशक्त बनाये जाने की दिशा में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। कुटीर और लघु उद्योगों को बड़े पैमाने पर सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि गांवों को आर्थिक मदद के साथ ही तकनीकी रूप से भी सक्षम बनाये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक ग्रामीण एवं शहरी महिलाओं को भी उद्यमिता के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जो महिला सशक्तीकरण के लिए आवश्यक भी है।

इस कार्यशाला में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के डॉ0 प्रसन्न कुमार, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर की कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता आदि ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

**छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ' कार्यशाला का ऑनलाइन उद्घाटन करने के पश्चात् अपने विचार व्यक्त करती हुई राज्यपाल।**

# सरदार पटेल के विचार आज भी प्रेरणादायी

31 अक्टूबर, 2020

सरदार वल्लभभाई पटेल की 146वीं जयंती के अवसर पर राजभवन से ऑनलाइन अपने विचार रखाती हुई राज्यपाल।

सरदार वल्लभभाई पटेल वकील, स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ–साथ दृढ़ इच्छाशक्ति वाले महान व्यक्ति थे। लंदन से वकालत करने के पश्चात् सरदार पटेल ने भारत आकर स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। खेड़ा संघर्ष और बारदोली सत्याग्रह के माध्यम से सरदार पटेल जी ने देश के किसानों के लिये महत्वपूर्ण संघर्ष किया। सरदार पटेल के आन्दोलन के चलते अंग्रेजी हुकुमत ने लगान वृद्धि का फैसला वापस लिया। भारत छोड़ो आन्दोलन सहित अन्य प्रमुख आन्दोलनों में भाग लेने के कारण सरदार पटेल को कई बार जेल भी जाना पड़ा। नीतिगत दृढ़ता के कारण गांधी जी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को लौहपुरूष की उपाधि दी थी। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 146वीं जयंती के अवसर पर व्यक्त किये। पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में सरदार वल्लभभाई पटेल की नवस्थापित प्रतिमा का ऑनलाइन लोकार्पण किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर महर्षि वाल्मीकि एवं आचार्य नरेन्द्र देव की जयंती तथा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रीमती पटेल ने कहा कि आज हमारा देश एकसूत्र में बंधा हुआ है तो इसका श्रेय सरदार वल्लभभाई पटेल को ही जाता है। सरदार पटेल ने आजादी से पूर्व विद्यमान देशी रियासतों का विलय भारत में कराया। उनके इस महान प्रयास के कारण ही आज हम एक बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में विश्व में पहचान बना पाये हैं। भारत सरकार ने 1991 में सरदार पटेल को मरणोपरान्त 'भारत रत्न'

से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने गुजरात के वड़ोदरा जिले में दुनिया की सबसे ऊंची 182 मीटर सरदार की प्रतिमा स्थापित कराई है। जिस प्रकार सरदार पटेल की यह प्रतिमा विशाल है, ठीक उसी प्रकार उनका व्यक्तित्व भी बहुत विशाल था। सरदार पटेल की 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' के रूप में स्थापित प्रतिमा हमारी विरासत है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के विचार आज भी प्रासंगिक और प्रेरणादायी हैं।

राज्यपाल ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों से प्रेरणा लेकर हम 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' का सपना साकार कर सकते हैं। राज्यपाल ने केन्द्र सरकार द्वारा कृषकों की उन्नति एवं खुशहाली और कृषि क्षेत्र में व्यापक सुधार के लिए बनाये गये तीन नये कानूनों को किसानों की आय दोगुना करने में सहायक बताया। राज्यपाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को नये युग के निर्माण की नींव बताते हुए कहा कि यह 21वीं सदी के भारत को नई दिशा देने में सहायक होगी तथा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। राष्ट्र–व्यापी तथा विस्तृत भागीदारी के कारण यह शिक्षा नीति सही मायनों में राष्ट्रीय अपेक्षाओं और समाधानों को समाहित करती है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में तैयार किया गया पाठ्यक्रम आधुनिक भविष्य के दृष्टिकोण से बेहतर और वैज्ञानिक सोच से परिपूर्ण होगा।

इस अवसर पर राज्यपाल ने ऑनलाइन जुड़े सभी लोगों को राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता की शपथ भी दिलायी। कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री महेश कुमार गुप्ता, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा श्री केयूर सम्पत उपस्थित थे तथा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य सहित बड़ी संख्या में शिक्षक तथा छात्र–छात्रायें ऑनलाइन उपस्थित थे।

**सरदार वल्लभभाई पटेल की 146वीं जयंती के अवसर पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में सरदार वल्लभभाई पटेल की नवस्थापित प्रतिमा का ऑनलाइन लोकार्पण करती हुई राज्यपाल।**

# छायाचित्रों में राजभवन की गतिविधियां

**09 अगस्त, 2020**

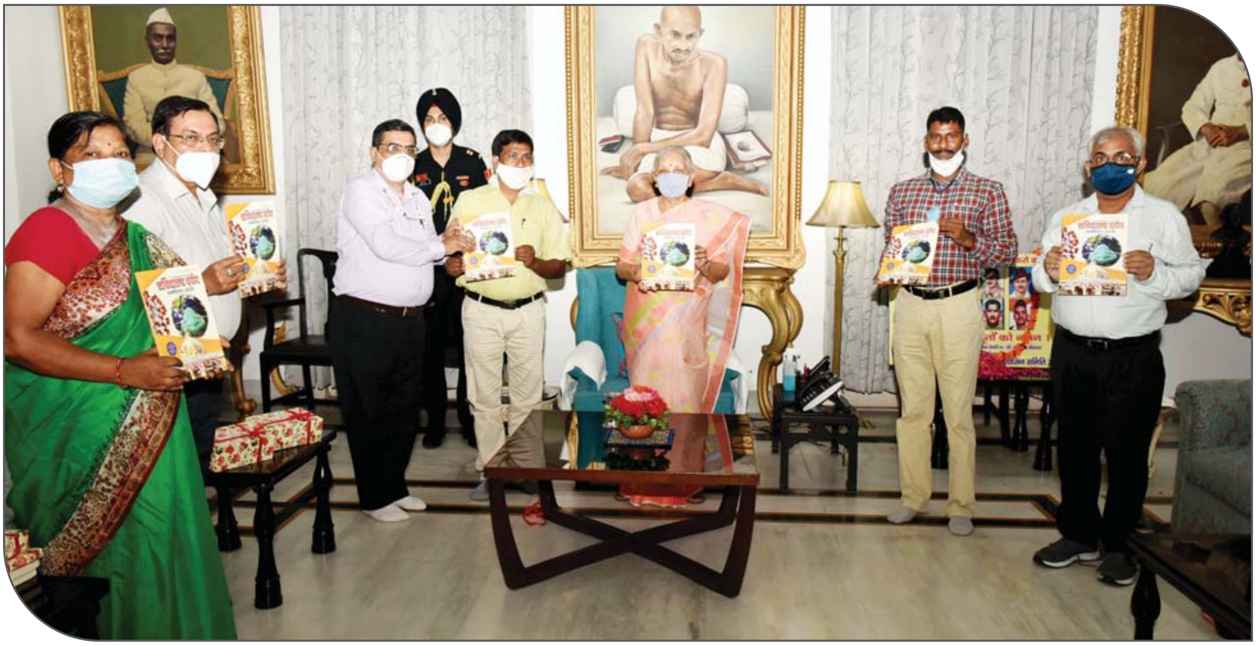

उत्तर प्रदेश सचिवालय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन समिति की स्मारिका 'सचिवालय दर्पण' 2020 का विमोचन करती हुई राज्यपाल। इस अवसर पर सचिवालय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री अखिलेश कुमार श्रीवास्तव, डा0 दीपक कोहली, श्री सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर, श्री आनन्द कुमार सिंह, श्री रणविजय चौधरी, डा0 चांदनी बाला, श्री सत्येन्द्र प्रताप सिंह एवं डा0 उमेश चन्द्र वर्मा उपस्थित।

संयुक्त सचिव वन एवं पर्यावरण डा0 दीपक कोहली की पुस्तक 'विज्ञान की नई दिशाएं' का विमोचन करती हुई राज्यपाल। इस अवसर पर सचिवालय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री अखिलेश कुमार श्रीवास्तव, डा0 दीपक कोहली, श्री सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर, श्री आनन्द कुमार सिंह, श्री रणविजय चौधरी, डा0 चांदनी बाला, श्री सत्येन्द्र प्रताप सिंह एवं डा0 उमेश चन्द्र वर्मा उपस्थित।

राजभवन प्रांगण में 74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण करती हुई राज्यपाल।

राजभवन प्रांगण में 74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सलामी लेती हुई राज्यपाल।

राजभवन में आम का पौधारोपित करती हुई राज्यपाल।

**वृक्षारोपण पुण्य महान**
**एक वृक्ष दस पुत्र समान**

## 15 अगस्त, 2020

राज्यपाल के प्रथम वर्ष के कार्यकाल पर आधारित पुस्तक 'प्रतिबिम्ब' का लोकार्पण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, विधान सभा अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित, लखनऊ की मेयर श्रीमती संयुक्ता भाटिया, अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना श्री अवनीश अवस्थी, अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता व अन्य अधिकारीगण।

## 25 अगस्त, 2020

इण्डियन रेडक्रास सोसइटी, उत्तर प्रदेश राज्य शाखा द्वारा बाढ़ पीड़ितों में वितरित की जाने वाली राहत सामग्री के वाहन को झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए श्री महेश कुमार गुप्ता, अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल।

17 सितम्बर, 2020

राज्यपाल को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पुस्तक भेंट करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

21 सितम्बर, 2020

राजभवन में आयोजित सप्ताहिक शिविर में कोविड-19 का परीक्षण करवाते राजभवन कर्मी।

## 27 सितम्बर, 2020

राज्यपाल की प्रेरणा से राजभवन कर्मियों के बच्चे भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए।

## 28 सितम्बर, 2020

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अलीगंज, लखनऊ की प्राचार्या प्रो0 अनुराधा तिवारी का स्मृति संकलन 'कलरव' का विमोचन करती हुई राज्यपाल।

## 28 सितम्बर, 2020

डॉ0 भाष्कर शर्मा के काव्य संकलन 'संधान' का विमोचन करती हुई राज्यपाल।

## 01 अक्टूबर, 2020

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस के अवसर पर राजभवन में भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा 'एल0आई0सी0 गोल्डन जुबिली फाउण्डेशन' के तहत प्रदत्त आई0सी0यू0 उपकरण एवं आपात दवाओं से युक्त एम्बुलेंस को झण्डी दिखाकर आस्था वृद्ध रोग चिकित्सालय एवं हासपाइस केन्द्र को लोकार्पित करते हुए राज्यपाल।

गाँधी जयन्ती के अवसर पर जी०पी०ओ० स्थित गाँधी जी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करती हुई राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

गाँधी जयन्ती के अवसर पर हजरतगंज स्थित गाँधी आश्रम में चरखा चलाते हुए राज्यपाल, साथ में मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

गांधी जयंती के अवसर पर राजभवन में आयोजित **'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'** नाटक का अवलोकन करती हुई राज्यपाल।

राजभवन के गांधी सभागार में महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करतीं राज्यपाल।

राजभवन की गतिविधियों पर आधारित पुस्तक 'गतिशील राजभवन' का विमोचन करते हुए राजभवन के बच्चे।

जनपद बाराबंकी के प्रगतिशील किसान श्री राम सरन वर्मा को शाल एवं पुस्तक 'गतिशील राजभवन' देकर सम्मानित करते हुए राज्यपाल।

इण्डियन रेडक्रास सोसाइटी उत्तर प्रदेश राज्य शाखा द्वारा बाढ़ एवं कोविड–19 से प्रभावित 9 जिलों को भेजे जाने वाली राहत सामग्री के वाहनों को झण्डी दिखाकर राजभवन से रवाना करती हुई राज्यपाल।

पत्रिका 'शब्दिता' के विशेषांक 'ऋषि परम्परा के महाकवि' का विमोचन करती हुई राज्यपाल

मुकुल माधव फाउण्डेशन एवं फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज द्वारा संचालित 'गिव विद डिग्निटी' अभियान के तहत गरीब एवं जरूरतमंदों के सहायतार्थ वितरित की जाने वाली राहत सामग्री के वाहन को झण्डी दिखाकर रवाना करती हुई राज्यपाल।

नवरात्रि के पावन अवसर पर राजभवन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में राज्यपाल के समक्ष गुजरात का पारम्परिक नृत्य गरबा प्रस्तुत करते बच्चे।

डा0 आदित्य पी0 त्रिपाठी द्वारा लिखित पुस्तक 'योगी आदित्यनाथ : राजपथ पर एक सन्यासी' का विमोचन करती हुई राज्यपाल।

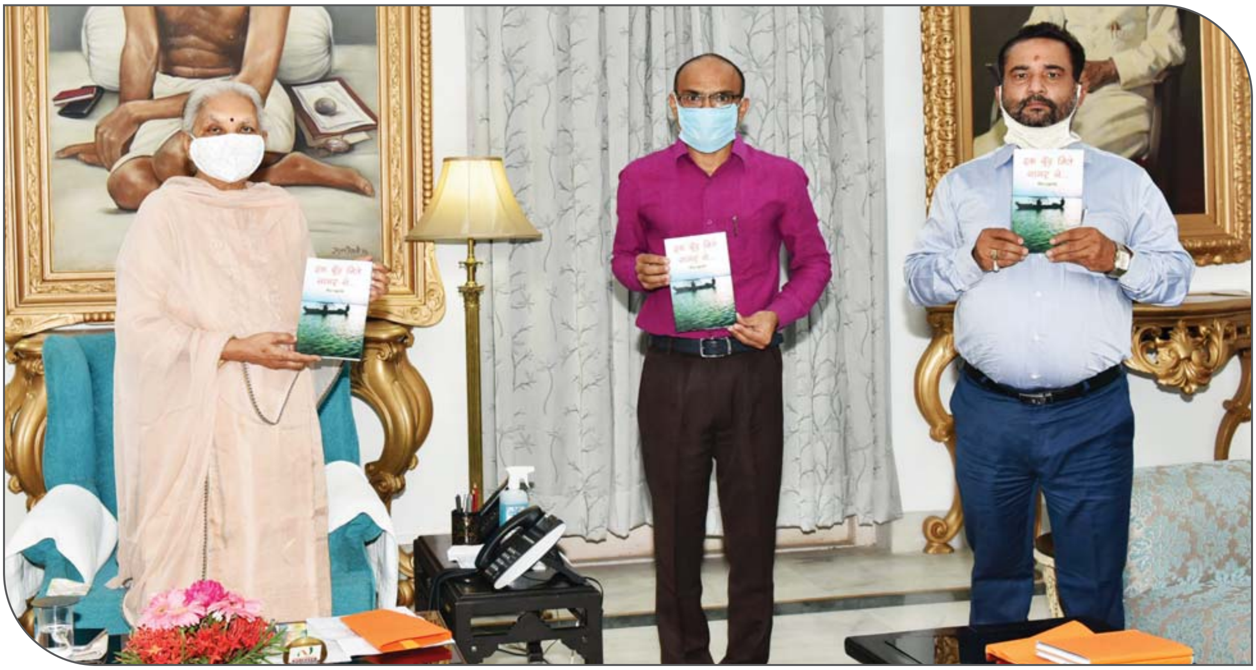

श्री दीपेंद्र बहादुर सिंह द्वारा रचित पुस्तक 'एक बूंद मिले सागर से' का विमोचन करती हुई राज्यपाल।

डॉ0 प्रदीप कुमार श्रीवास्तव द्वारा रचित पुस्तक 'बाय-बाय कोरोना' पुस्तक का लोकार्पण करती हुई राज्यपाल।

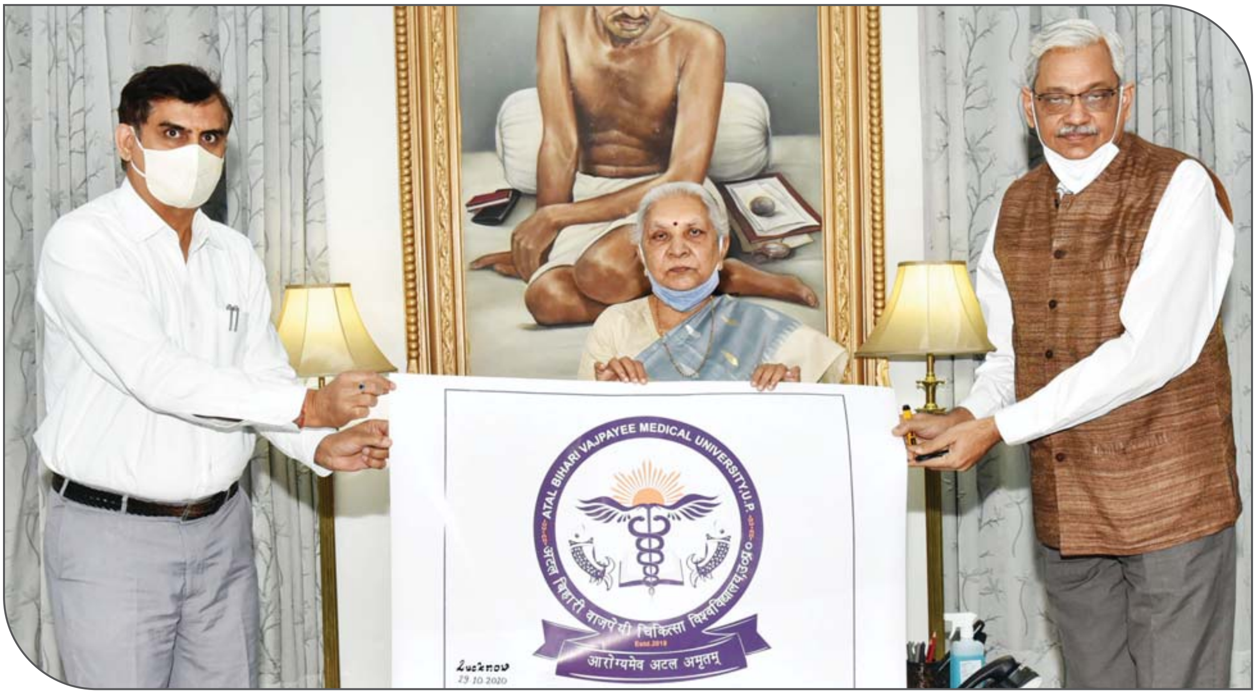


नवनिर्मित अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश के 'लोगो' व 'सूक्ति' ध्येय वाक्य 'आरोग्यमेव अटल अमृतम्' (आरोग्य ही अटल अमृत है) का लोकार्पण करती हुई राज्यपाल।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 146वीं जयन्ती के मौके पर हजरतगंज के जी.पी.ओ. पार्क स्थित सरदार वल्लभभाई की प्रतिमा स्थल पर उपस्थित जन समूहों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाती हुई राज्यपाल।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर संस्कृति विभाग द्वारा राजभवन में सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन एवं कृतित्व पर लगायी गयी छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री।

# समाचार पत्रों में राजभवन की गतिविधियां

## पुलिस में होगी 20 फीसद बेटियों की भर्ती

### बुरी नजर डालने वालों के लिए उत्तर प्रदेश में कोई जगह नहीं : योगी

**सीएम ने किया मिशन शक्ति का आगाज**

विशेष संवाददाता

लखनऊ/बलरामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की हर बेटी-हर महिला का सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ उनके स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध है। जो

**अपराधियों से कठोरता से निपटेगी सूबे की पुलिस**

लोग नारी गरिमा और स्वाभिमान को दुष्प्रभावित करने की कोशिश करेंगे, बेटियों पर बुरी नजर डालेंगे, उनके लिए उत्तर प्रदेश की धरती पर कोई जगह नहीं है। यह लोग सभ्य समाज के लिए कलंक हैं। प्रदेश सरकार ऐसे अपराधियों से पूरी कठोरता से निपटेगी। इनकी दुर्गति तय है। इस मौके पर उन्होंने घोषणा ...शेष पृष्ठ 10 पर

100 पिंक स्कूटी व 10 महिला पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करती राज्यपाल आनंदी बेन पटेल

**राज्यपाल ने लखनऊ में दिखायी हरी झंडी**

विशेष संवाददाता

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को शनिवार को मिशन शक्ति अभियान का शुभारम्भ करते हुए और नवरात्र की बधाई देते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए

**100 पिंक स्कूटी व 10 महिला पुलिस वाहनों को दिखायी झंडी**

महिला पुलिस कर्मी का दस्ता पूरे शहर में भ्रमण करेगा, इससे सुरक्षा की भावना एवं गौरव का बोध होता है। सेफ सिटी परियोजना 180 दिन चलने वाल अभियान है, जिसके तहत पुलि सहित सभी विभाग केंद्रीयकृत होक महिला हितों के लिये काम करेंगे उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार व महिलाओं के ...शेष पृष्ठ 10।

## आनंदीबेन ने कृषि विधेयकों के पारित होने का स्वागत किया

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने

संसद द्वारा कृषि संबंधित विधेयकों के पारित होने का स्वागत करते हुए कहा है कि अब किसान उन्नत तथा सशक्त होंगे। श्रीमती पटेल ने संसद से कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक एवं कृषक (सशक्तीकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक- 2020 के पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन करते हुए कृषक बंधुओं को बधाई दी है। उन्होंने कृषि संबंधी विधेयकों के पारित होने को अभूतपूर्व कदम बताते हुए कहा कि इससे हमारे कृषक बंधुओं के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। अब किसानों को उनकी उपज का उचित ...

## नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से आएंगे क्रांतिकारी बदलाव : राज्यपाल

लखनऊ। राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति केंद्र सरकार की सराहनीय पहल है। इससे शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा। कक्षा एक से लेकर कक्षा पांच तक अनिवार्य रूप से मातृभाषा व स्थानीय भाषा में पढ़ाई से बच्चों का तेजी से बौद्धिक विकास होगा। छात्रों को पहले से तय विषय चुनने की बाध्यता समाप्त कर दी गई है। अब भौतिकी विज्ञान का छात्र चाहे तो संगीत या इतिहास को दूसरे विषय के रूप में चुन सकता है। बोर्ड परीक्षाओं का तनाव भी खत्म कर दिया है।

राज्यपाल ने कहा कि बदलती जरूरतों के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बदलाव की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। नई शिक्षा नीति का उद्देश्य प्राथमिक स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक पाठ्यक्रमों में बदलाव करके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युवाओं के लिए प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण तैयार करना है।

आनंदीबेन पटेल ने कहा कि नई शिक्षा नीति की सबसे बड़ी विशेषता वर्ष 2030 तक सौ प्रतिशत युवा और प्रौढ़ साक्षरता दर हासिल करना है। उच्चतर शिक्षा में वर्ष 2035 तक सकल नामांकन ...

**अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युवाओं के लिए तैयार हो सकेगा प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण**

मजबूत अनुसंधान संस्कृति तथा अनुसंधान क्षमता को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन बनाने का निर्णय किया गया है। चिकित्सा एवं कानूनी शिक्षा को छोड़कर समस्त उच्च शिक्षा के लिए 'भारत उच्च शिक्षा आयोग' का गठन किया जाएगा। देश में वैश्विक मानकों के सर्वश्रेष्ठ बहु-विषयक शिक्षा के मॉडलों के रूप में आईआईटी, आईआईएम के समकक्ष 'बहु-विषयक शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय' स्थापित करने का निर्णय किया गया है।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा नीति में महामारी एवं वैश्विक महामारी को देखते हुए ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने की बात भी शामिल है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार न आ पाने या विद्यार्थियों के कौशल विकास की दिशा में ...

## महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए बहुमुखी प्रयासों की जरूरत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए बहुमुखी प्रयासों की जरूरत है।

श्रीमती पटेल ने कहा कि महिलाओं के पारवारिक और सामाजिक परिवेश को समझकर कार्य करने के साथ ही समाज की सोच में बदलाव की जरूरत है। इसके लिए जरूरी है कि महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति उनके परिजनों के साथ ही बेटियों को भी जागरूक किया जाए। स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष शिविरों का आयोजन करने के साथ ही, राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए किए जा रहे, कार्यों की जानकारी को दूरस्थ अंचलों में पहुंचाने के लिए विशेष पहल की जाए। राज्यपाल बुधवार को ब्रेस्ट कैंसर एक्शन डे के तारतम्य में आयोजित शिखर सम्मेलन ... के रूप ... वेबिनार ... हेपतुल्ला ... हमारे ... स्वयं ... भाव ...

आनंदीबेन ने कहा : महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति उनके परिजनों के साथ ही बेटियों को भी जागरूक किया जाए

अपने परिजनों, पति, पुत्र से भी चर्चा नहीं ... आरंभिक अवस्था में ...

33 प्रतिशत राशि महिलाओं के लिए आवंटित कर दी थी। इस जेंडर बजट ने राज्य में पहली बार महिला केंद्रित योजनाओं के निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ की थी। उन्होंने बताया कि राज्य में शिविर लगाकर कैंसर सहित अन्य रोगों की स्वास्थ्य जांच का कार्य किया गया था। इसमें डेढ़ करोड़ महिलाओं की जांच की गई, जिसमें से डेढ़ से दो हजार रोगियों में कैंसर रोग का प्रारंभिक अवस्था में पता चल जाने से उनका समय पर उपचार हो गया।

राज्यपाल ने कहा कि महिलाएं अपनी बीमारी के प्रति संकोची हैं, वे दूर जाकर चिकित्सक से परामर्श लेने विशेषकर पुरुष चिकित्सक को दिखाने में संकोच करती हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि तहसील अथवा 10 गांवों के संकुल में महिला स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाय। उन्होंने किशोरी बालिकाओं को रोगों, स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जानकारी दिए जाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि ये बालिकाएं किसी परिवार की बेटी, भविष्य की बहू और मां हैं। वे जागृत ... और परिजनों के ...

## अब राजभवन की देख-रेख में गरीब राजा का होगा इलाज

लखनऊ। टीबी बीमारी से ग्रसित सरोजनीनगर के चिल्लावां निवासी गरीब बच्चे राजा गौतम का इलाज अब राजभवन की देखरेख में निशुल्क मुहैया कराया जाएगा। इसे राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा टीबी के बच्चों को गोद लेने तथा उन्हें न्यूट्रिशन देने के कार्यक्रम के तहत चिन्हित किया गया है। यह कार्य जीएलआर इंडिया के सहयोग से संभव हो सका। जीएलआर इंडिया के प्रोजेक्ट समन्वयक सचिन गुलाटी ने बताया कि संस्था द्वारा सरोजनीनगर के ट्रांसपोर्ट नगर में नई दिशा प्रोजेक्ट के तहत करीब एक वर्ष से ट्रक ड्राइवर, हेल्पर और इसके अलावा आसपास की आबादी में टीबी जागरूकता अभियान चलाए जाने के साथ ही टीबी के लक्षण के बारे में लोगों को जानकारी दी जा रही है। जिसके तहत इस बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों की संस्था की ओर से निशुल्क जांच कराई जाती है। इसी कार्यक्रम के दौरान गत दिनों सरोजनीनगर के चिल्लावां निवासी चालक दिनेश से मुलाकात होने पर पता चला कि उसके बेटे राजा गौतम को दिमागी टीबी है। इस पर जीएलआरए इण्डिया संस्था ने अपनी देखरेख में उसका इलाज सरोजनीनगर स्थित कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय में शुरू कराया। लेकिन अब राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा टीबी के बच्चों को गोद लेने तथा उन्हें न्यूट्रिशन देने कार्यक्रम के तहत राजा गौतम को चिन्हित कर राजभवन की देखरेख में उसका निशुल्क सरकारी इलाज मुहैया कराया जाएगा। इसी के तहत राजभवन में तैनात राम मनोहर लोहिया अस्पताल के चिकित्सकों ने राजा गौतम को गोद लेकर उसका निशुल्क इलाज भी शुरू कर दिया है। जीएलआर, इंडिया संस्था के काउंसलर प्रेम सागर ने बताया कि इस कार्य से राजा गौतम के परिवार ने काफी खुशी जाहिर करते हुए जीएलआर, इंडिया को धन्यवाद भी दिया।

## गांव के लिए सेवा स्कीम चलाएगा एकेटीयू

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की पहल पर गोद लिए गए गांवों के विकास के लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी सेवा स्कीम शुरू करेगा. यह विकास नीड बेस्ड एनालिसिस पर आधारित होगा. शुक्रवार को यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में गांव गोद लेने वाली योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. ऑनलाइन माध्यम से आयोजित बैठक में यूनिवर्सिटी के 22 संबद्ध संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए. यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो पाठक ने बताया कि ग्रामीण अंचलों में तकनीकी विकास के लिए नीड बेस्ड एनालिसिस की जाएगी. इस एनालिसिस में गांव के लोगों से उनकी जरूरतें जान कर तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाएगा. ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए यूनिवर्सिटी पूरा प्रयास कर रही है.

# Bapu remembered

Governor Anandiben Patel and CM Yogi Adityanath paying tributes to Mahatma Gandhi at his statue at the GPO in Hazratganj, Lucknow on Friday.

DEEPAK GUPTA/HT PHO

# महिलाओं में असुरक्षा की भावना खत्म करें अफसर : राज्यपाल

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने ट्रेनी आईपीएस अफसरों से मुलाकात की।

■ एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को 14 प्रशिक्षु आईपीएस अफसरों से मुलाकात की। इस दौरान ट्रेनी अफसरों से राज्यपाल से कहा कि वह महिलाओं और बच्चियों में असुरक्षा की भावना को खत्म करने का उन्होंने अफसरों से कहा कि आप टीबी ग्रस्त बच्चों को गोद लें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव (राज्यपाल) महेश कुमार गुप्ता, डीजी (ट्रेनिंग) सजान वीर सिंह और एडीजी

# महात्मा गांधी के मंत्र कोरोना को रोकने में सहायक

## स्वच्छता, स्वदेशी और स्वावलंबन मंत्र को अपनाना होगा : आनंदी बेन पटेल

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को कहा कि स्वच्छता, स्वदेशी और स्वावलंबन महात्मा गांधी द्वारा बताये गये ऐसे मंत्र हैं, जो कोरोना जैसी महामारी और उससे उत्पन्न हुई परिस्थितियों के समाधान में सहायक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि गांधी जी के अर्थ दर्शन के अनुसार हमें चुनौती, शक्ति, परिस्थिति और संसाधन को मिलाकर अवसर में विकसित करना है।

राजभवन से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के पीआईबी द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती समारोह के अवसर पर आयोजित ... में राज्यपाल ने कहा कि महात्मा गांधी वास्तव ... गांधी आज विश्व

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वी जयन्ती समारोह को वेबिनार से संबोधित करती राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

महत्वपूर्ण मानते थे। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ... भारत के सपने को साकार करने के लिए ... राज्यपाल ने

बहुत कुछ बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। गांधी की पूरी जीवन-यात्रा प्रयोगों की अविरल धारा के समान है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में हमारे युवाओं और विद्यार्थियों के लिये महात्मा गांधी की कही हुई बातों को जानने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गांधी जी के आदर्शों से बच्चों को जिन्दगी में बहुत कुछ अच्छा करने की प्रेरणा मिलेगी। आनंदीबेन ने कहा है कि गांधी जी ने अपने विचारों के माध्यम से राजनैतिक दार्शनिक, सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्रों में क्रांतिका... किया। उन्होंने दबे-कुचले दलित वर्ग ... शेष पृष्ठ 3

शेष पृष्ठ 3

# नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय विचारधारा का समावेश : आनंदीबेन

## राज्यपाल ने व्याख्यानमाला का वेबिनार से किया उद्घाटन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा, आंगनबाड़ी एवं उच्च शिक्षा में महिलाओं को विशेष स्थान दिया गया है। इस नीति में भारतीय विचारधारा का समावेश है तथा बालिकाओं की शिक्षा में आने वाली समस्याओं का भी ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं को एहसास दिलाना होगा कि वे कितनी साहसी हैं तथा वे हर क्षेत्र में सफल हो सकती हैं।

राज्यपाल ने शनिवार राजभवन लखनऊ से दृष्टि स्त्री अध्ययन प्रबोधन केन्द्र, पुणे के तत्वाधान में आयोजित 'भारतीय विचारधारा में महिला चिन्तन' व्याख्यानमाला का वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता रहा है। ... समाज के लिये उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या और दहेज हत्या जैसे मामले समाज के लिए चिन्तनीय विषय हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को महिलाओं के सम्मान और उनकी सुरक्षा के लिये उचित कदम उठाना होगा। महिला सशक्तिकरण देश की प्रगति के लिए आवश्यक है। महिलाएं विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, जो किन्हीं परिस्थितियों में विकास की मुख्यधारा से वंचित रही हैं और वे अपने अधिकारों के बारे में भी नहीं जानती। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर सितम्बर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है।

इस अवसर पर विवेकानन्द केन्द्र...

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल दृष्टि स्त्री अध्ययन प्रबोधन केन्द्र पुणे द्वारा आयोजित भारतीय विचारधारा में महिला चिन्तन' व्याख्यानमाला का वेबिनार के माध्यम से उद्घाटन करते हुए

# पोषण अभियान का लाभ लाभार्थियों तक पहुंचे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे पोषण अभियान का लाभ हर हालत में सभी लाभार्थियों तक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने राजभवन से जिलाधिकारी, वाराणसी द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिग के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों को सुचारु रूप से चलाने एवं कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने आदि के संबंध में दिए जा रहे प्रस्तुतीकरण के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी द्वारा सबका सहयोग लेकर जो कार्य किया जा रहा है, उसका प्रस्तुतीकरण सराहनीय है, लेकिन इसका प्रतिफल आप लोगों को एक साल बाद दिखाई देगा।

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यरत कार्यकत्रियों के रिक्त पदों पर पूरी पारदर्शिता के साथ स्थानीय स्तर पर मेरिट के आधार पर नियुक्ति करें, जिससे न्यायालय को दखल करने का मौका न मिले और नियुक्ति बाधित न होने पाए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की

● आनंदीबेन ने कहा : आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यरत कार्यकत्रियों के रिक्त पदों पर पूरी पारदर्शिता के साथ स्थानीय स्तर पर मेरिट के आधार पर नियुक्ति करें

नियुक्ति की प्रक्रिया उनकी सेवानिवृत्ति के छह माह पहले से शुरू की जानी चाहिए, ताकि केंद्रों पर रिक्तता की स्थिति उत्पन्न न होने पाए। श्रीमती पटेल ने कहा कि जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जननी सुरक्षा एवं मातृवंदन योजना के तहत जो पैसा सगर्भा माताओं के लिए पोषण आहार के लिए दिए जाते हैं, उसका उपयोग सगर्भा माताएं केवल पोषण आहार लेने में ही करें। उन्होंने कहा कि आशा वर्कर्स एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के सहयोग से यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सगर्भा ग्रामीण महिलाओं की डिलवरी सौ प्रतिशत सरकारी अस्पतालों में ही हो न कि दाई के माध्यम से घर में। उन्होंने कहा कि इनके माध्यम से ऐसी माताओं को बच्चों के जन्म देने के पहले से ही जागरूक किया जाए और उन्हें गर्भ संस्कार की अच्छी-अच्छी बातें बताई जानी चाहिए। राज्यपाल ने जिलाधिकारी को सुझाव दिया कि वे अपने जिले में इस आशय की बड़ी-बड़ी होर्डिंग महत्वपूर्ण स्थानों पर लगावाएं कि 'हम काशी को टी बी मुक्त, कुपोषित मुक्त एवं स्वच्छ काशी बनाएंगे, इसमें सभी सहयोग करें।' ऐसी होर्डिंग को देखकर बहुत से लोग, स्वयंसेवी संस्थाएं, व्यापारी आदि स्वेच्छा से सहयोग के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने जिलाधिकारी से यह भी कहा कि लॉकडाउन के दौरान जिन-जिन लोगों ने अथवा एनजीओ, स्वैच्छिक संस्थाओं और व्यापारियों ने जनता को सहयोग कर उल्लेखनीय कार्य किए हैं, उनकी सूची तैयार करें ताकि उन्हें उनके निस्वार्थ सहयोग के लिए सम्मानित किया जा सके। उन्होंने कहा कि अगले माह वाराणसी भ्रमण के दौरान वे स्वयं ऐसे कोरोना वारियर्स को सम्मानित करेंगी।

## गोल्ड मेडल जीतने वाले बच्चों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

लखनऊ, मंगलवार। राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल ने मंगलवार को गोमतीनगर के टी.डी गर्ल्स कालेज की कक्षा-छह की छात्रा कु.प्रीति यादव, कक्षा-आठ की छात्रा कु.अदिति गुप्ता,कक्षा-नौ के छात्र आदित्य वर्मा, कालेज के प्रबंधक महादेव प्रसाद यादव और प्रधानाचार्या लक्ष्मी सिंह को राजभवन में सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने बच्चों को शुभकामनायें देते हुये कहा कि आप लोगों ने वन्य जीवों और पर्यावरण के प्रति लगाव से प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। इसी तरह का प्रदर्शन आगे भी करके देश और प्रदेश का नाम रोशन करते रहें। उल्लेखनीय हो कि प्रीति यादव ने इंडियन सेंटर फार वाइल्ड लाइफ एण्ड इन्वायरमेंटल स्टडीज इन साउथ एशिया द्वारा आयोजित वन्य जीव रत्न अवार्ड ...-2019-20 में प्रथम स्थान हासिल कर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। जिसके लिये संस्था ने प्रीति को गोल्ड मेडल से नवाजा है। यही नहीं इसी संस्था द्वारा वर्ष 2018-19 में करायी गयी इसी परीक्षा में अदिति गुप्ता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। वहीं जिम कार्बेट पार्क नैनीताल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में आदित्य वर्मा ने दूसरा स्थान पाकर प्रदेश और अपने कालेज का नाम रोशन किया है। इसके अलावा टीडी कालेज के प्रबंधक महादेव प्रसाद यादव को इंडियन सेंटर फार वाइल्ड लाइफ संस्था इन्वायरमेंटल टीचर ऑफ द इयर ... प्रधानाचार्या लक्ष्मी सिंह को प्रिंसिपल ऑफ द इयर 2019-20 के सम्मान से सम्मानित किया है। कालेज प्रबन्धक महादेव प्रसाद ने बताया इसके पहले इन बच्चों को का... मेडल और प्रशस्ति पत्र सम्मानित किया गया।

## स्तनपान की जागरूकता को लेकर सभी विभाग संयुक्त प्रयास करें: राज्यपाल

### शिक्षा विभाग के पाठ्यक्रम में इसे शामिल किया जाना चाहिए

राज्यपाल ने कहा कि केन्द्र सरकार की घोषित नई शिक्षा नीति में भी ऐसे विषयों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग के पाठ्यक्रम में इसे शामिल किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि स्तनपान की जागरूकता हेतु यह आवश्यक है कि सभी विभाग एक मंच पर आकर संयुक्त रूप से प्रयास करें तथा इसमें ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की महिलाओं, बच्चों, स्वयं सहायता समूह आदि को भी जोड़ें। उन्होंने प्रधानमंत्री के फिट इण्डिया कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें केवल योग एवं खेल ही नहीं, बल्कि पौष्टिक आहार व व्यवहार भी शामिल है।

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदेश में 7 अगस्त तक चलने वाले विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर राजभवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्बोधित करते हुए कहा कि विश्व स्तनपान दिवस के संबंध में पूरा विश्व जागरूकता कार्यक्रम चल रहा ... स्तनपान ...

के जन्म तक महिला को किस तरह का पोषण, आचार-विचार व अनुकूल वातावरण मिले, न केवल माता.पिता को बल्कि हमारी किशोरियों को भी इस बात का ज्ञान होना चाहिए। बच्चे को दूध पिलाने में किसी तरह का ... पालना चाहिए ...

गर्भधारण करेगी तो क्या उसका बच्चा स्वस्थ पैदा होगा तथा क्या वह ऐसी स्थिति में होगी कि वह अपने बच्चे को पर्याप्त मात्रा में दूध पिला सके ... बेटी कुपोषित ...

## वृद्धों संग बांटीं खुशियां, वर्चुअल दुनिया में आकर साझा किए अनुभव

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस पर गाइड समाज कल्याण संस्थान के गोल्डेन एज क्लब की ओर से कई कार्यक्रम हुए। संस्थान की संस्थापिका डॉ. इंदु सुभाष के नेतृत्व में वरिष्ठ जन परिसर में भूले बिसरे गीत, अंत्याक्षरी, तंबोला, बाल्टी में निशाना लगाकर दूर से आलू फेंकना जैसे मनोरंजक खेल हुए। दूसरी तरफ मोटिवेजर्स क्लब की ओर से ऑनलाइन कार्यक्रम हुए। इसमें तमाम बुजुर्गों के साथ युवाओं ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में सभी ने अपने-अपने मुश्किल दौर में खुशियां बटोरने के अनुभव साझा किए और एक-दूसरे का मनोबल बढ़ाया। वहीं, कार्यक्रम का सिलसिला जैसे जैसे आगे बढ़ा हंसी मजाक और चर्चाओं का दौर कविता पाठ की तरफ बढ़ने लगा। क्लब के सदस्य राजेश बब्बर ने बताया कि लॉकडाउन से कुछ ही दिन पहले उनका हार्ट का ऑपरेशन हुआ और आज वर्चुअल मीट से काफी अच्छा महसूस कर रहे हैं। मीनू टंडन ने अपनी बात साझा करते हुए बताया कि प्रदूषण में काफी कमी आई, जिसकी वजह से तमाम पक्षी दिखने लगे जो लंबे समय से कहीं विलुप्त से हो गए थे। किशोर शाह ने क्लब के वॉलंटियर्स को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऑनलाइन माध्यम के जरिए हम सभी एक-दूसरे से मिल रहे हैं, जिससे पुरानी यादें भी ताजा हो जाती हैं।

**बुजुर्गों संग बिताया दिन, किस्से बांटे :** रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ ने बृहस्पतिवार को विश्व वृद्ध जन दिवस पर असहाय बुजुर्गों को उनका मनपसंद भोजन कराया। इस मौके पर पूर्व विधायक विद्या सागर गुप्ता सहित पूर्व अध्यक्ष भारती गुप्ता, वर्तमान अध्यक्ष वाई के ...

### बुजुर्गों के लिए दी एंबुलेंस

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बृहस्पतिवार को राजभवन में एलआईसी के गोल्डन जुबिली फाउंडेशन के तहत दी गई एंबुलेंस को झंडी दिखाकर आस्था वृद्ध रोग चिकित्सालय को भेंट की। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राज्यपाल महेश कुमार गुप्ता, भारतीय जीवन बीमा निगम के जोनल मैनेजर एके शर्मा मौजूद रहे।

## राज्यपाल ने बरेली की मरीज को गोद लिया

**बरेली।** राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बरेली की महिला टीबी मरीज को गोद लिया है। महिला मरीज पहले लखनऊ कैंट में रहती थीं। लाल फाटक पर रहने वाली महिला की इलाज और देखभाल के लिए राज्यपाल ने डीएम को संरक्षक बना दिया है। हर महीने महिला मरीज के इलाज के बारे में राज्यपाल को रिपोर्ट भेजी जाएगी। क्षय रोग मुक्त भारत के तहत आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ कैंट में रहने वाली बरेली की एक महिला मरीज को गोद लिया था। महिला कुछ महीने पहले लखनऊ से बरेली आ गई। राज्यपाल ने मामले में गंभीरता दिखाई और ...की देखभाल और इलाज की जिम्मेदारी डीएम को सौंप दी।

## महिलाओं को बनाएं आर्थिक रूप से निर्भर : राज्यपाल

संजय गांधी पीजीआइ द्वारा महिला सशक्तीकरण सप्ताह के उपलक्ष्य में निदेशक प्रो. आरके धीमान की अगुवाई में 'कार्यस्थल पर महिलाओं के अधिकार और उनकी सुरक्षा' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने वीडियो संदेश भेजकर इसमें प्रतिभाग किया।

उन्होंने कहा कि यह हर राज्य सरकार और केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता होनी चाहिए कि वो महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने सहित उनकी सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं का शोषण अधिकांशतः इसलिए होता है कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं है। उन्होंने लड़के और लड़कियों दोनों को समान रूप से नैतिक शिक्षा देने की बात कही। संचालन पैथोलॉजी विभाग की प्रो. विनीता अग्रवाल ने किया। संस्थान की रजिस्ट्रार प्रो. सोनिया नित्यानंद ने सभी वक्ताओं का परिचय कराया। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी की पूर्व डीन और विभागाध्यक्ष विनीता दास, डॉ. पिपाली भट्टा..., डॉ. सरिता अग्रवाल, डॉ. ... अग्रवाल, भूपेश सिंह, एडीजे ... मिश्रा ने भी वेबिनार को ... किया। इसमें 50 से ज्यादा ... कॉलेज के लगभग 333 ... ने हिस्सा लिया।

## युवाओं को बनाएं ग्लोबल सिटीजन : राज्यपाल

### लखनऊ विश्वविद्यालय में स्लेट के तहत चार नई सुविधाओं का राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया उद्घाटन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। उच्च शिक्षण संस्थानों को युवाओं को चरित्र निर्माण, नैतिकता और संस्कार की शिक्षा देनी होगी। साथ ही उन्हें रोजगार के लिए बेहतर तरीके से तैयार करना होगा। हमें अपने युवाओं को ग्लोबल सिटीजन बनाना होगा। ये बातें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के स्ट्रेटजिक लर्निंग एप्लीकेशन फॉर ट्रांसफार्मेटिव एजुकेशन (स्लेट) के तहत चार नई सुविधाओं के ऑनलाइन उद्घाटन के बाद नई शिक्षा नीति पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि शिक्षक चाहे उच्च शिक्षा से जुड़े हों या माध्यमिक, बेसिक से, सभी को सभी विषय की जानकारी रखनी होगी, ट्रेंड होना पड़ेगा। तभी वो विद्यार्थियों को बेहतर जानकारी दे पाएंगे।

राज्यपाल ने पीएम नरेंद्र मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि उद्योग आधारित व कौशल विकास परक शिक्षा की जरूरत है। कौशल विकास से वे खुद का उद्योग शुरू करेंगे और देश में स्टार्टअप को बढ़ावा देंगे। राज्यपाल ने कहा कि यूपी देश का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है। उन्होंने तकनीकी शिक्षा, भाषाई बाध्यताओं को दूर करने, दिव्यांग विद्यार्थियों, महिलाओं के लिए शिक्षा को सहज और सुगम बनाने आदि के लिए तकनीकी के प्रयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थाओं से अपेक्षा की जाती है कि गुणवत्तापूर्ण ई-पाठ्यवस्तु क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षकों द्वारा विकसित किए जाएं। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. केया पांडेय ने संचालन किया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत गायन से हुई, जिसे डॉ. रोली मिश्रा और डॉ. गरिमा सिंह ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रो. पूनम टंडन, प्रो. मधुका खन्ना, वित्त अधिकारी संजय श्रीवास्तव, प्रो. आरएस गुप्ता, प्रो अनिल मिश्रा आदि शिक्षक व विद्यार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम का यू-ट्यूब पर लाइव प्रसारण भी किया गया।

### नई शिक्षा नीति पर आयोजित वेबिनार में कहा, उच्च शिक्षण संस्थाओं में कौशल विकासपरक शिक्षा की जरूरत

लविवि की वेबिनार को संबोधित करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

### इनका किया उद्घाटन

राज्यपाल ने विवि में स्लेट के तहत शुरू होने वाले लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, स्टूडेंट इंस्टेंट मैसेजिंग सिस्टम, ऑनलाइन रिक्रूटमेंट पोर्टल, इंटिग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी संकाय में कंप्यूटर सेंटर और लखनऊ विश्वविद्यालय ऑनलाइन काउंसलिंग का उद्घाटन किया।

### कल से स्लेट पर क्लास और नए भर्ती विज्ञापन भी

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने नई सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पोर्टल के कॉपीराइट के साथ-साथ इसके लोगो के ट्रेडमार्क के लिए आवेदन किया है। विश्वविद्यालय 17 सितंबर को पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर स्लेट पर अपनी कक्षाएं शुरू करेगा। उन्होंने नए भर्ती पोर्टल की जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में भर्तियों के लिए अगला विज्ञापन 17 सितंबर को इसी पर प्रकाशित किया जाएगा। इसी क्रम में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संकाय के नए कंप्यूटर केंद्र को भी 17 सितंबर को ही सार्वजनिक उपयोग के लिए खोला जाएगा। प्रो. राय ने एक नए ऑनलाइन ऑफ-कैम्पस काउंसलिंग पोर्टल अलर्क का भी उल्लेख किया, जिससे विद्यार्थी अपने घरों से काउंसलिंग में शामिल सकेंगे।

## राज्यपाल की प्रेरणा से राजभवन में अध्यासित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई एवं कढ़ाई प्रशिक्षण का शुभारम्भ।

अशोक स्तम्भ, राजभवन